सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 68 | जौनपुर, शनिवार, 26 अक्टूबर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

हम समाजवादी पार्टी के साथ हैं और मजबूती से लड़ेंगे चुनाव – अजय राय

लखनऊ, संवाददाता। यूपी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने बताया की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश में नौ सीटों पर हो रहे उपचुनाव व इस संबंध में जारी राजनीतिक घटना क्रमों पर चर्चा की। निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद उपचुनाव में दो टिकट मांग रहे थे। इसे लेकर वह दिल्ली भी गए। लेकिन, आज प्रेस वार्ता कर कह रहे हैं कि उन्हें सीट नहीं, जीत चाहिए।

इस पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा, वो बहानेबाजी कर रहे हैं। मैं समझता हूं कि उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार में अच्छे विभाग की इच्छा प्रकट की होगी, जिसे भाजपा ने मान लिया होगा, इसलिए वह आज कह रहे हैं कि उन्हें सीट नहीं चाहिए। दस साल से केंद्र में और सात साल से उत्तर प्रदेश में इन लोगों की सरकार चल रही है, लेकिन आरक्षण के लिए कुछ नहीं किया गया। 27 के खेवनहार के सवाल पर अजय राय ने कहा, राम जी को पार लगाने वाले केवट समाज के लोग थे। लेकिन, आज जो स्थिति बनी हैं, मैं समझता हूं कि उन्हें इसका पालन भी करना चाहिए। ऐसे लोगों को पार लगाइए, जो सभी की मदद करते हैं। सभी के विकास के लिए काम करते हैं।

भारत शांति के लिए हर संभव योगदान देने को तैयार - पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज से मुलाकात की और उनसे भारत–जर्मनी की दोस्ती को गति देने वाले विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान भारत और जर्मनी ने दिल्ली के हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज की उपस्थिति में समझौता ज्ञापनों और समझौतों का आदान–प्रदान किया। नवाचार और प्रौद्योगिकी पर रोडमैप और रोजगार और श्रम के क्षेत्र में एक संयुक्त घोषणापत्र पर समझौता ज्ञापन का आदान–प्रदान हुआ। इस दौरान मोदी ने कहा कि मैं चांसलर स्कोल्ज और उनके प्रति निधिमंडल का भारत में हार्दिक स्वागत करता हूँ। मुझे खुशी है कि हमें पिछले 2 वर्षों में तीसरी बार भारत में आपका स्वागत करने का अवसर मिला है। मेरे तीसरे कार्यकाल की पहली ष्ळ्ब बैठक अभी–अभी संपन्न हुई है। हम अभी ब्म्ट फोरम की बैठक से आ रहे हैं। इसी समय, जर्मन नौसेना का जहाज गोवा में बंदरगाह पर उतर रहा है और खेल जगत भी पीछे नहीं है। हमारी हॉकी टीमों के बीच मैत्रीपूर्ण मैच भी खेले जा रहे हैं। साथियों, चांसलर स्कोल्ज के नेतृत्व में हमारी साझेदारी को नई गति और दिशा मिली है। उन्होंने कहा कि मैं जर्मनी की भारत पर ध्यान केंद्रित करने की रणनीति के लिए चांसलर स्कोल्ज को बधाई देता हूँ। इसमें दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्रों के बीच साझेदारी को व्यापक तरीके से आधुनिक बनाने और आगे बढ़ाने का खाका है।

महत्वपूर्ण और उभरती हुई प्रौद्योगिकी, कौशल, विकास और नवाचार में समग्र सरकारी पहल पर भी आम सहमति बनी है।

इससे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर और स्वच्छ ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग मजबूत और सुरक्षित होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि हम दोनों ही अंतरराष्ट्रीय कानूनों के तहत हिंद–प्रशांत क्षेत्र में नौवहन की स्वतंत्रता पर सहमत हैं। हम दोनों इस तथ्य से सहमत हैं कि 20वीं सदी में स्थापित वैश्विक मंच 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम नहीं हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सहित सभी बहुपक्षीय संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि रक्षा और सुरक्षा क्षेत्रों में बढ़ता सहयोग हमारे गहरे आपसी विश्वास का प्रतीक है। गोपनीय सूचनाओं के आदान– प्रदान पर समझौता इस दिशा में एक नया कदम है। आज संपन्न हुई पारस्परिक कानूनी, सहायक संधि आतंकवाद और अलगाववादी तत्वों से निपटने के हमारे संयुक्त प्रयासों को मजबूत करेगी... यूक्रेन और पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष हम दोनों के लिए चिंता का विषय हैं। भारत का हमेशा से मानना घ्घ्रहा है कि युद्ध से समस्याओं का समाधान नहीं हो सकता और भारत शांति बहाली के लिए हर संभव योगदान देने के लिए तैयार है। इस दौरान मोदी ने कहा कि यूक्रेन और पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष हम दोनों के लिए चिंता का विषय हैं। भारत का हमेशा से मानना रहा है कि युद्ध से समस्याओं का समाधान नहीं हो सकता और भारत शांति बहाली के लिए हर संभव योगदान देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि भारत की युवा शक्ति जर्मनी की समृद्धि और विकास में योगदान दे रही है। हम भारत के लिए जर्मनी की कुशल श्रम रणनीतियों का स्वागत करते हैं। हमारी (भारत और जर्मनी) साझेदारी में स्पष्टता है और इसका भविष्य उज्ज्वल है। जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज ने कहा कि 25 साल पहले, हमने जर्मनी और भारत के बीच रणनीतिक साझेदारी बनाई थी। हमारा सहयोग पहले से कहीं ज्यादा भरोसेमंद, ठोस और सार्थक हो गया है। नवोन्मेष, गतिशीलता और स्थिरता के साथ मिलकर आगे बढ़ना आज आयोजित 7वें भारत–जर्मन अंतर–सरकारी परामर्श का आदर्श वाक्य है। यह एक उपयुक्त आदर्श वाक्य है क्योंकि यह दर्शाता है कि इस अच्छे और भरोसेमंद सहयोग से भारत और जर्मनी दोनों को समान रूप से किस हद तक लाभ मिलता है।

हम लोग मिलकर चुनाव लड़ेंगे और इंडी गठबंधन को हराएंगे – ब्रजेश पाठक

लखनऊ, संवाददाता। यूपी की 9 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। आज नामांकन का आखिरी दिन है। 13 नवंबर को 9 सीटों पर वोट डाले जाएंगे और 23 नवंबर को परिणाम घोषित किए जाएंगे। इस बीच यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने 9 सीटों पर जीत का दावा किया है। उन्होंने कहा है कि विरोधी खेमे का खटाखट, सटासट और फटाफट वादा खोखला साबित हुआ है और एनडीए के साथ है। यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने 9 सीटों पर हो रहे विधानसभा के उपचुनाव पर कहा, निषाद पार्टी गठबंधन के साथ मिलकर देश और प्रदेश के लिए काम कर रहे हैं। संजय निषाद मेरे मित्र हैं और हम कॉलेज के दिनों में साथ पढ़े हैं। जमीन से उठकर अपनी मेहनत के दम पर उन्होंने देश और प्रदेश में एक मुकाम हासिल किया है। भाजपा और निषाद पार्टी का गठबंधन बूथ स्तर पर उतर चुका है। यूपी की 9 विधानसभा सीटों पर हो रहे उपचुनाव में हम सभी लोग मिलकर चुनाव लड़ेंगे और 9 सीटों पर विपक्षी पार्टियों के प्रत्याशियों को हराकर जीत हासिल करेंगे। इंडी अलायंस के जो खटाखट, सटासट और फटाफट जैसे खोखले वादे थे, लोगों को गुमराह करने वाले जो तरीके थे उत्तर प्रदेश के लोग अब जान चुके हैं और उनके खोखले वादों में नहीं पड़ने वाले हैं। यूपी की पिछली सरकारों पर उन्होंने तंज कसते हुए कहा, उत्तर प्रदेश में जब–जब कांग्रेस सपा को ताकत मिली है। इन पार्टियों के संरक्षण में माफियाओं का राज बढ़ा, कमजोर तबके के लोगों पर अत्याचार बढ़ा।

यूपी में आधुनिक डेयरी इकाइयों की स्थापना करेगी सरकार

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को बढ़ाने एवं गौ पालकों को सशक्त बनाने के लिए उन्हे बड़ी सौगात दी है। योगी सरकार ष्मिनी नंदिनी कृषक समृद्धि योजनाष् लॉन्च कर योजना के तहत प्रदेश में आधुनिक डेयरी इकाइयों की स्थापना करेगी। इससे दुग्ध उत्पादन की गुणवत्ता और मात्रा में सुधार होगा। इसके लिए योगी सरकार 1015 लाख रुपये खर्च करेगी।

दुग्ध उत्पादन में आत्मनिर्भरता की दिशा में योगी सरकार का कदम

योगी सरकार ने प्रति पशु दुग्ध उत्पादन के राष्ट्रीय औसत को बढ़ाने के लिए मिनी नंदिनी कृषक समृद्धि योजना की शुरुआत की है। दरअसल, उत्तर प्रदेश देश के प्रमुख दुग्ध उत्पादक राज्यों में से एक है, लेकिन प्रति पशु दुग्ध उत्पादन की दृष्टि से राज्य राष्ट्रीय औसत से पीछे है। राज्य में वर्तमान में प्रति गाय औसतन 3.78 लीटर दूध का उत्पादन होता है, जो कि राष्ट्रीय औसत से कम है। वहीं, योजना के तहत योगी सरकार ने उच्च गुणवत्ता वाली स्वदेशी नस्लों की गायों का चयन कर हाइटेक डेयरी इकाइयों की स्थापना का निर्णय लिया है।

योजना के जरिये 10 गायों की क्षमता वाली हाइटेक डेयरी इकाइयों की स्थापना की जाएगी। हर इकाई पर लगभग 23.60 लाख का खर्च आएगा, जिसमें सरकार और लाभार्थी दोनों का योगदान होगा। इन इकाइयों में केवल गिर, थारपारकर और साहीवाल जैसी उच्च गुणवत्ता वाली देशी नस्लों की गायें की खरीदी जाएंगी,

जिनकी दुग्ध उत्पादन क्षमता अधिक होती है। योजना के तहत चुनी गई गायों की नस्ल का मूल्यांकन उनकी उत्पादन क्षमता और गुणवत्ता के आधार पर किया जाएगा, जिससे अधिक दुग्ध उत्पादन सुनिश्चित हो सके।

योजना के तहत कैटल शेड और अन्य आधारभूत संरचनाओं का निर्माण आधुनिक तकनीक से किया जाएगा। इन संरचनाओं में पफ पैनल का उपयोग किया जाएगा, जिससे मौसम के प्रतिकूल प्रभाव से पशुओं की सुरक्षा हो सकेगी और उनका स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। इसके अलावा, गौ पालकों को आधुनिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, जिससे वे नए तकनीकी साधनों का उपयोग कर अपने पशुओं की देखभाल और प्रबंधन कर सकें।

झारखंड चुनाव के लिए बीजेपी ने जारी की स्टार प्रचारकों की लिस्ट

रांची, एजेसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आज आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए 40 स्टार प्रचारकों की घोषणा की। 40 सदस्यीय सूची में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जेपी नड्डा, राजनाथ सिंह, अमित शाह और नितिन गडकरी के नाम शामिल हैं। सूची में चंपई सोरेन, सीता सोरेन, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, शिवराज सिंह चौहान, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और हिमंत बिस्वा सरमा के नाम शामिल हैं। खास तौर पर उड़िया भाषी लोगों की एक बड़ी आबादी को। इसके अलावा, माझी एक आदिवासी समुदाय से हैं और भाजपा आदिवासी मतदाताओं को लुभाना चाहती है, जिनकी राज्य में अच्छी खासी मौजूदगी है। पिछले महीने माझी ने झारखंड का दौरा भी किया था और अलग–अलग जनसभाएं की थीं। झारखंड में 13 और 20 नवंबर को दो चरणों में चुनाव होने हैं। इससे पहले केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने झारखंड में झामुमो नीत गठबंधन सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि यह ''भीषण चक्रवाती तूफान 'दाना' से भी ज्यादा घातक है।'' उन्होंने आगाह किया कि अगर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाली सरकार फिर से सत्ता में आई तो यह राज्य में तबाही मचा देगी। राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधान सभा चुनाव प्रभारी ने झामुमो सरकार के पांच साल के शासन के दौरान ''भ्रष्टाचार, विनाश और लूट'' के लिए गठबंधन का आरोप लगाते हुए कहा कि हेमंत सोरेन सरकार ने पहले ही झारखंड को काफी नुकसान पहुंचाया है।

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा-शांति कायम करने की एनडीए की नीतियां फेल

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को जम्मू कश्मीर में हुए आतंकी हमले को लेकर एनडीए सरकार पर हमला बोला। राहुल गांधी ने कहा कि एनडीए सरकार की नीतियां सुरक्षा और शांति कायम करने में पूरी तरह फेल हैं। सरकार की इस पर जवाबदेही तय करनी चाहिए। इसके साथ ही सेना के जवानों और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।

आतंकी हमलों की जवाबदेही ले सरकार

एक्स पर पोस्ट में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि जम्मू–कश्मीर के गुलमर्ग में सेना के वाहन पर कायरतापूर्ण हमले में हमारे बहादुर सैनिकों की शहादत की खबर बेहद दुखद है। हमले में दो पोर्टर की भी जान चली गई। मैं शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और शोक संतप्त परिवारों के प्रति

गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार की नीतियां जम्मू–कश्मीर में सुरक्षा और शांति स्थापित करने में पूरी तरह से फेल रही हैं। राहुल गांधी ने कहा कि वास्तविकता यह है कि राज्य लगातार आतंकवादी गतिविधियों और हमारे सैनिकों पर हमलों और नागरिकों की हत्याओं के कारण खतरे में है। उन्होंने कहा कि सरकार को इसकी तुरंत जवाबदेही लेनी चाहिए और घाटी में जल्द से जल्द शांति बहाल करनी चाहिए। इसके साथ ही सेना और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।

आतंकी हमले की निंदा

वहीं कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी आतंकी हमले में जान–माल के नुकसान पर कहा कि आतंकी कृत्यों के लिए जितनी भी निंदा की जाए वह पर्याप्त नहीं है। जम्मू–कश्मीर के गुलमर्ग में आतंकी हमले में दो जवानों की शहादत की खबर बेहद दुखद है। हमले में दो पोर्टरों की भी जान चली गई है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।

भाजपा का उद्देश्य सत्ता हथियाकर आप सरकार के कामों को रोकना

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी पर आरोप लगाया कि वह हर संभव तरीके से दिल्ली में सत्ता हथियाने की कोशिश कर रही है और उसका उद्देश्य पिछले एक दशक में किए गए आप सरकार के कामों को खत्म करना है। अगले साल फरवरी में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनावों से पहले शहर भर में चल रही पदयात्राओं के तहत केजरीवाल ने मोती नगर में एक जनसभा को संबोधित किया। केजरीवाल ने कहा, भाजपा हर संभव तरीके से दिल्ली में सत्ता हथियाने का प्रयास कर रही है ताकि वह आप द्वारा पिछले 10 वर्षों में किए गए सभी कार्यों को रोक सके। स्थानीय आप विधायक शिवचरण गोयल के साथ केजरीवाल मोती नगर की गलियों में घूमे और लोगों का अभिवादन किया तथा उनसे हाथ मिलाया।

कई लोगों ने उन्हें माला पहनाई और सेल्फी ली। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि भाजपा आप की मुफ्त बिजली, पानी, स्वास्थ्य और शिक्षा योजनाओं को रोकना चाहती है। केजरीवाल ने दावा किया, पिछले 75 वर्षों में इन क्षेत्रों में आप का काम बेजोड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि भाजपा सत्ता में आई तो दिल्ली में उत्तर प्रदेश और हरियाणा जैसे पड़ोसी राज्यों की तरह लंबी बिजली कटौती की स्थिति फिर आ सकती है। आप के आरोपों पर भाजपा की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी।

अंतरिक्ष का क्षेत्र लगातार बदल रहा, तकनीक भी बेहतर हुई - इसरो प्रमुख

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो के प्रमुख एस सोमनाथ ने कहा है कि अंतरिक्ष क्षेत्र लगातार बदलाव से गुजर रहा है

और तकनीक भी बेहतर हो रही है। हमें भी ये समझने की जरूरत है कि हम किस प्रकार के अंतरिक्षयान लॉन्च कर रहे हैं। एस सोमनाथ ने नई दिल्ली में आयोजित हो रहे चाणक्य डिफेंस डायलॉग 2024 में अंतरिक्ष परिस्थिति जागरूकता – राष्ट्रीय हितों की निगरानी और सुरक्षा मुद्दे पर संबोधित किया।

आज अंतरिक्ष में लाखों वस्तुए हैं अपने संबोधन में डॉ. एस सोमनाथ ने कहा, अंतरिक्ष परिस्थिति जागरूकता का मुद्दा, यह जानना कि वहां क्या हो रहा है, हम सभी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। हमें यह समझने की आवश्यकता है कि हम किस प्रकार के अंतरिक्ष यान लॉन्च कर रहे हैं। 1960 के दशक में, अंतरिक्ष में कुछ भी नहीं था। लेकिन आज अंतरिक्ष में लाखों वस्तुएं हैं। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि हमने संचार उद्देश्यों, पृथ्वी अवलोकन, नेविगेशन, अंतरिक्ष विज्ञान और कई अन्य गतिविधियों के लिए अंतरिक्ष में कई अंतरिक्ष यान लॉन्च किए हैं। अंतरिक्ष का क्षेत्र बदल रहा है और तकनीक लगातार विकसित हो रही है। समय के साथ रिजॉल्यूशन और स्पेक्ट्रल गुणवत्ता में सुधार हो रहा है। बड़े, छोटे और मध्यम आकार के उपग्रह विभिन्न आकार और रूपों में लॉन्च किए जा रहे हैं।

महाराष्ट्र में बीजेपी की होगी हार

मुंबई, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष एवं सांसद अखिलेश यादव लगातार इंडिया गठबंधन की मजबूती का दावा कर रहे हैं। इन सबके बीच अखिलेश यादव ने दावा किया है कि महाराष्ट्र में भाजपा की महा हार होने वाली है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में भाजपा हारने वाली है, भाजपा गठबंधन हारने वाला है, वहां महाहार होने वाला है। आपको बता दें कि राज्य में 20 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। नतीजे 23 को आएंगे। वहीं, सपा नेता ने भाजपा के बटोगे तो कटोगे वाले नारे पर भी पलटवार किया है। अखिलेश यादव ने कहा कि जब भाजपा के पास बेरोजगारी, महंगाई, सीमा सुरक्षा, आंतरिक सुरक्षा, अग्निवीर, आरक्षण, संविधान पर कोई जवाब नहीं है तो ये सब उनकी प्रयोगशाला में इस तरह से तैयार किया जाता है। हमें पता लगाना होगा कि उनकी प्रयोगशाला कहां है। ये उनकी रिसर्च लैब का नारा है। और उसी रिसर्च लैब ने ये नारा दिया और कहा कि ये हमारे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के चेहरे पर सबसे अच्छा लगेगा। उन्होंने कहा कि पीडीए की रणनीति भाजपा के घटिया नारों का मुकाबला करेगी और ये भाजपा वाले जानबूझ कर नफरत फैलाना चाहते हैं। इससे पहले समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को कहा कि 13 नवंबर को होने वाले विधानसभा उपचुनाव में सभी नौ सीट पर 'इंडिया' गठबंधन के उम्मीदवार उनकी पार्टी के चुनाव चिन्ह साइकिल पर चुनाव लड़ेंगे। यादव ने कहा कि कांग्रेस और सपा एकजुट हैं।

एआई ने युवाओं के लिए कई अवसर खोले - मुर्मू

रायपुर, एजेसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की अहमियत बताई। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की पूरी दुनिया में प्राथमिकता है। यह उभरती तकनीक विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं के लिए कई अवसर खोजेगी। साथ ही इससे इंजीनियरिंग क्षेत्र में नए प्रयोग होंगे। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर के 14वें दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति मुर्मू ने एआई की उपयोगिता के बारे में बताया। उन्होंने छात्रों से कहा कि तकनीक का विकास विज्ञान पर निर्भर करता है। इंजीनियरिंग क्षेत्र में बेहतर योगदान देने के लिए छात्रों का नई तकनीक के बारे में जानकारी रखना जरूरी है। ताकि यह सभी के लिए उपयोगी बन सके। उन्होंने कहा कि 2024 में नोबेल पुरस्कार पाने वाले दो भौतिकी और चार रसायन वैज्ञानिक आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से जुड़े

थे। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि इंजीनियरिंग क्षेत्र में एआई से नए प्रयोग विकसित होंगे। जिस तरह औद्योगिक क्रांति ने मशीन सहायता और मानव श्रम को बढ़ाया ठीक उसी तरह एआई क्रांति बड़ा परिवर्तन लाएगी। एआई पूरी दुनिया में एक प्राथमिकता बन गई है। एआई का जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में गहरा प्रभाव पड़ने वाला है। केंद्र सरकार नवाचार को बढ़ावा देने के लिए अत्याधुनिक तकनीक को विकसित कर रही है। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत ग्लोबल पार्टनरशिप ऑन आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का संस्थापक सदस्य है।

संपादकीय

सोशल मीडिया का भाषा पर प्रभाव

सोशल मीडिया कई मायनों में व्यक्तियों के जीवन जीने के तरीके को बदल रहा है, खासकर संचार क्षेत्र, ज्ञान और शिक्षा से जुड़ी वस्तुओं में। इसका अर्थ यह भी है कि मानव जीवन की एक आवश्यकता प्राप्त हो जायेगीय अन्य प्राणियों के साथ संवाद और बातचीत करना। इसलिए, वैश्वीकरण के युग में, दुनिया भर में बहुत से लोग सोशल मीडिया का उपयोग अपने जीवन में महत्वपूर्ण योगदान के रूप में करते हैं, लेकिन यह उस भाषा को बदलने को प्रभावित करता है जिससे हम दूसरों के साथ संवाद करते हैं। मेरी राय में, सोशल मीडिया का भाषा पर सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। जब लोगों को एक–दूसरे के साथ संवाद करने की आवश्यकता होती है तो सोशल मीडिया के भाषा बदलने के कई सकारात्मक प्रभाव होते हैं, जैसे आसान संचार। इसलिए, सो शल मीडिया अक्सर मददगार हो सकता है, और भाषा को सकारात्मक मूल्य दे सकता है। उदाहरण के लिए, जब हम टूल के सोशल मीडिया में वार्तालाप का उपयोग करते हैं, तो हमने अच्छी तरह से समझने के लिए भाषा शब्दकोश में कई नए शब्द जोड़े हैं और स्पष्ट प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए बेहतर त्वरित प्रतिक्रिया की पहचान कर सकते हैं। परिणामस्वरूप, बहुत से लोग इस प्रकार के संचार का उपयोग करके एक–दूसरे के साथ संवाद करने का संक्षिप्त तरीका बनाने की कोशिश करते हैं जैसे कि संक्षिप्ताक्षर, इमोटिकॉन, चित्र, प्रतीक, विशिष्ट शब्दावली और अर्थ। इसके अलावा, संचार को आसानी से करने के लिए कई लोग गलतियों को सुधारने के साथ सीखने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग एक उपकरण के रूप में करते हैं, जिससे ऑनलाइन बातचीत में मदद मिलती है जब आप जिस श्रोता से बात कर रहे होते हैं वह गलत वर्तनी को सही करता है, या आप उसे गलत तरीके से लिखते हैं। यह विधि गलतियों से तेजी से सीखने और उन्हें सुधारने में मदद करेगी। हालांकि कई लोग इस बात से सहमत हैं कि वे भाषा के चित्रात्मक उपयोग के कारण दूसरों की भावनाओं को समझते हैं, लेकिन उनमें से कुछ इसे नहीं समझते हैं, यह पीढ़ी के अंतर पर निर्भर करता है। उदाहरण के लिए, भाषा पर सोशल मीडिया के प्रभाव से जिस तरह की भाषा आ रही है, उसे 21वीं सदी की पीढ़ी ही इस्तेमाल और समझ सकती है और न ही अन्य पीढ़ियां ऐसा कर सकती हैं। नतीजतन, बदलती भाषा पर सोशल मीडिया के सकारात्मक प्रभाव को भाषा को और अधिक आसान बनाने और हमेशा विकास में योगदान देने के लिए महत्व दिया जा सकता है। फिर भी, कई नकारात्मक प्रभाव हैं कि जब लोगों को एक–दूसरे के साथ संवाद करने की आवश्यकता होती है तो सोशल मीडिया भाषा बदल देता है जैसे कि लोग ज्यादातर समय विकृत शब्दों और मातृभाषा से विचलन करते हैं। इसके अलावा, जब वक्ता कठबोली भाषा और संक्षिप्त शब्दों का प्रयोग करते हैं तो गलतियाँ करते हैं और वे कुछ शब्दों को छोटा कर देते हैं। इसके अलावा, कई लोग गलत व्याकरण और अभिव्यक्ति का उपयोग करते हैं, विचारों को शब्दों की तुलना में चित्रों में प्रदर्शित करते हैं या किसी संक्षिप्तीकरण का उपयोग करते हैं तो शब्दों को विकृत कर देते हैं। परिणामस्वरूप, हम एक ऐसे युग में रह रहे हैं जिसमें लोग हर काम जल्दी–जल्दी करते हैं। भाषा का सही ढंग से सही संरचना के साथ प्रयोग करने का समय इस सदी में किसी के पास नहीं है। फिर, हम एक ऐसे दौर में जी रहे हैं जिसमें लोग हर काम जल्दी–जल्दी कर रहे हैं। किसी के पास भाषा को पूरी सोच और व्याकरण के साथ इस्तेमाल करने का समय नहीं है क्योंकि हम एक ऐसे दौर में रह रहे हैं जिसमें लोग चीजों को सरल बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

उदाहरण के लिए, इंस्टाग्राम और फेसबुक उपयोगकर्ता हैशटैग जैसे शब्दों को छोटा करने के लिए उपयोग करते हैं। पूर्ण विचार, अर्थ नहीं होते और सभी लोग शब्द को नहीं समझते। परिणामस्वरूप, भाषा अपनी जड़ें खो देगी, बुजुर्ग लोग इस प्रकार के संचार को नहीं समझ सकते हैं और उपयोगकर्ता इस प्रकार की भाषा के सही उपयोग में आलसी हो जाते हैं। सोशल मीडिया का भाषा पर जो नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, वह सकारात्मक प्रभाव से कहीं अधिक है। इसका मतलब यह है कि भाषाव्याकरणिक रूप से बदलना हो जाता है, बोलना तेजी से बदलता है और सोशल मीडिया डोमेन कोई वास्तविक दुनिया नहीं है। उदाहरण के लिए, जब सोशल मीडिया पर किसी शब्द का इस्तेमाल ट्रेंड बन जाता है तो सभी उपयोगकर्ता उसका इस्तेमाल करने की कोशिश करते हैं, लेकिन इससे भाषा को कोई फायदा नहीं होता क्योंकि सभी ट्रेंडी शब्दों का इस्तेमाल सही तरीके से नहीं किया जाता है। इसके अलावा, जब सोशल मीडिया पर नए शब्दों का इस्तेमाल किया जाता है, तो मौजूदा भाषा का इस्तेमाल कम होता है। परिणामस्वरूप, सोशल मीडिया द्वारा भाषा बदलने के नकारात्मक प्रभाव से संचार में बाधाएं पैदा होती हैं, शब्दावली कमजोर हो जाती है और प्रतीकों के माध्यम से संचार में लौटने की संभावना बढ़ जाती है। निष्कर्ष में, सोशल मीडिया के भाषा पर कई सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव हैं, लेकिन नकारात्मक प्रभाव सकारात्मक से अधिक हैं क्योंकि भाषा की कुछ संरचना और प्रक्रिया होती है जिसका सम्मान किया जाना चाहिए यदि हमें भाषा की रक्षा करने की आवश्यकता है। मैं भाषा की जड़ों को और अधिक समझने और जीभ की रक्षा के लिए भाषा को स्थानीय संस्कृति से जोड़ने का प्रस्ताव करता हूं।

युद्ध अभी तक समाप्त नहीं हुआ

आदित्य

हमास कमांडर याह्या सिनवार की हत्या पर इजरायल की खुशी – हत्या के लिए राजनीतिक रूप से सही शब्द – थोड़ी समय से पहले की बात हो सकती है। यदि हत्या एक ऐसे बदलाव का मार्ग प्रशस्त करती है जो गाजा में एक नई वास्तविकता की ओर ले जाएगा, इजरायल के विदेश मंत्री इजरायल कैट्ज के शब्दों में, तो यह बदलाव पश्चिम एशिया की भविष्य की राजनीति का संकेत हो सकता है, न कि केवल हमास और ईरानी नियंत्रण को हटाना, जैसा कि श्री कैट्ज उम्मीद करते हैं। सच्चा बदलाव, विशेष रूप से इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के निजी आवास पर ड्रोन हमलों के बाद, दोनों पक्षों की ओर से कुछ नवीन सोच की मांग करता है, जो अब शत्रुता की स्थायी रूप से अभेद्य बाधा की तरह दिखती है। ओस्लो समझौते, इजरायल और फिलिस्तीन मुक्ति संगठन के बीच अंतरिम समझौतों की जोड़ी जो 1993 में वाशिंगटन डीसी में और 1995 में मिस्र के ताबा में हस्ताक्षरित किए गए थे, किसी भी दीर्घकालिक व्यवस्था का आधार होना चाहिए, लेकिन हमें यह भी पहचानना चाहिए कि वे भविष्य को सीधे आकार देने की कम संभावना रखते हैं। पिछले साल 7 अक्टूबर को हमास द्वारा की गई बर्बरता, जिसे इजरायली हिंसा के मौजूदा चक्र के लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है, फिलिस्तीनियों द्वारा 1948 में उनके जीवन पर छाए "नकबा" यानी तबाही के रूप में निंदा किए जाने वाले दुखद इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है। सीधे शब्दों में कहें तो इसका मतलब यह है कि दो–राष्ट्र समाधान जिस पर यह स्तंभकार – अन्य लोगों के साथ – जोर दे रहा है, वह कल के लिए निर्णायक मंत्र नहीं हो सकता है। इसका कारण यह है कि इजरायल इसकी अनुमति नहीं देगा। संयुक्त राज्य अमेरिका श्री नेतन्याहू को बाध्य नहीं करेगा, और अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था इतनी मजबूत या इच्छुक नहीं है कि वह अमेरिका को बाध्य कर सके। संख्याओं से अधिक स्पष्ट रूप से कुछ भी नहीं बोलता है। आधी सदी से भी अधिक समय पहले इजरायल की मेरी एकमात्र यात्रा के दौरान हाइफा में एक बैठक में राष्ट्रीय संपदा की तुलना करते हुए, इजरायल के राष्ट्रीय व्यापार संघ हिस्ताद्रुत के एक वरिष्ठ नेता ने मुझसे कहा था कि भारत के लोगों ने इसे दुनिया के सबसे अमीर देशों में से एक बनाया है। अल्पावधि में धन अधिक प्रभावी प्रतीत हो सकता है, लेकिन उन्हें विश्वास था कि दीर्घावधि में उचित प्रेरणा और गतिशीलता के साथ जनशक्ति की तुलना में कुछ भी नहीं है। सबसे प्रभावी अरब सेना के लिए प्रबंधन महत्वपूर्ण है, अरब सेना, जिसे बाद में रॉयल जॉर्डन आर्मी का नाम दिया गया, सबसे प्रभावी तब थी जब एक ब्रिटिश जनरल, सर जॉन ग्लब, इसके कमांडर थे। हिस्ट्राड्रट अधिकारी के तर्क को लागू करते हुए, 9.9 मिलियन इजरायली 473 मिलियन से अधिक अरबों के खिलाफ एक तुच्छ प्रतिद्वंद्वी प्रस्तुत करते हैं। कई अरब देशों की अभूतपूर्व तेल संपदा अप्रासंगिक हैय यह उनकी जनशक्ति की वजह से है कि हमास और हिजबुल्लाह इन सभी

हफ्तों में इजरायली हमलों की क्रूरता का सामना करने में सक्षम रहे हैं, अकेले गाजा में 42,000 से अधिक मौतें हुईं। यह संख्या की ताकत की वजह से है कि हमास ने अभी भी 7 अक्टूबर को बंधक बनाए गए लगभग 100 लोगों को आत्मसमर्पण नहीं किया है, जब उसने लगभग 1,200 इजरायलियों को भी मार डाला था। यह याद करते हुए कि श्री नेतन्याहू ने अक्टूबर की शुरुआत में घोषणा की थी कि इजरायल के अभियान, ऑपरेशन स्वॉर्ड्स ऑफ आयरन के दो लक्ष्य थे – हमास को नष्ट करना और बंधकों को मुक्त करना – यह स्वीकार किया जाना चाहिए कि जानमाल के भयानक नुकसान और कस्बों, गांवों और यहां तक कि सभ्यता की अधिकांश बुनियादी सुविधाओं के विनाश के बावजूद, अभियान विफल रहा है। श्री नेतन्याहू ने हमास को नष्ट नहीं किया है – कम से कम अभी तक नहीं – और उन्होंने सभी बंधकों को मुक्त नहीं किया है। इसके अलावा, हमास और हिजबुल्लाह द्वारा भर्ती अभियान में कमी आने का कोई संकेत नहीं दिखता है। जन्म नियंत्रण के किसी भी सवाल से अप्रभावित अरब आबादी हर साल छलांग और सीमा से बढ़ रही है, ऐसे में फिलिस्तीनी कारणों के लिए मरने के लिए हमेशा शहीदों की भरमार रहेगी। फिर भी, इजरायल ने जो हासिल किया है वह काफी है, अगर इजरायली अधिक के लालची न होते नॉर्वे की राजधानी में गुप्त वार्ता के बाद शुरू हुई ओस्लो प्रक्रिया के परिणामस्वरूप फिलिस्तीन मुक्ति संगठन द्वारा इजरायल को मान्यता मिली और इजरायल द्वारा पीएलओ को फिलिस्तीनी लोगों के प्रतिनिधि और द्विपक्षीय वार्ता में भागीदार के रूप में मान्यता मिली। भले ही यह शांति प्रक्रिया संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 242 और 338 के आधार पर शांति संधि हासिल नहीं करती है, फिर भी यह इजरायल और फिलिस्तीनियों को बिना किसी टकराव के सह–अस्तित्व के लिए एक आधार प्रदान करती है। दुनिया भर में बहुत सारे उदाहरण इस बात पर जोर देते हैं कि संस्थागत संप्रभुता राष्ट्रीयता के लिए आवश्यक नहीं है। भले ही दलाई लामा लुप्त हो जाएं, केंद्रीय तिब्बती प्रशासन और इसकी लोकतांत्रिक संस्थाएं परम पावन के वैध राजनीतिक उत्तराधिकारी के रूप में बनी रहेंगी। श्रीलंका के तमिल एक राष्ट्र हैं, भले ही कोलंबो 30 साल के कटु और खूनी युद्ध के बावजूद विघटन पर चर्चा करने से इनकार कर दे। क्यूबेक को अलग होने की अनुमति नहीं थी। 1920 की सेव्रेस संधि द्वारा वादा किया गया संप्रभु कुर्दिस्तान कभी साकार नहीं हुआ। इराक के कुर्दों की स्वायत्तता, जो आबादी का लगभग 20 प्रतिशत है, गाजा और पश्चिमी तट के लोगों के लिए अंतरराष्ट्रीय गारंटरों के साथ संघीय व्यवस्था करना और इराक की तरह नो–फ्लाई जोन की निगरानी करना असंभव नहीं होना चाहिए। एक बाधा यह है पीएलओ द्वारा इजरायल को मान्यता दिए जाने के बावजूद इजरायल ने कभी भी फिलिस्तीनियों की विशिष्ट पहचान को स्वीकार नहीं किया है। इजरायल के लिए, फिलिस्तीनी या तो अरब हैं जो कुछ और होने का दिखावा करते हैं, या जॉर्डन के लोग हैं जो एक आकर्षक नाम रखते हैं। लेकिन ये केवल शब्द हैं जैसे कि इजरायल पश्चिमी तट को "यहूदिया और सामरिया" के पौराणिक बाइबिल नामों से पुकारता है। यह दावा करने की कल्पना से भी अधिक खतरनाक है कि यहूदिया और सामरिया एरेट्ज यिसरेल (ग्रेटर इजरायल) का हिस्सा हैं, पश्चिमी तट को 165 "द्वीपों" में विभाजित करने की इजरायली रणनीति, जहां फिलिस्तीनी रहते हैं, और यहूदियों के लिए 230 बस्तियां हैं। पूर्वी यरुशलम को छोड़कर 500,000 से अधिक इजरायली पश्चिमी तट में चले गए हैं, जहां अतिरिक्त 220,000 यहूदी रहते हैं इसके अलावा, पश्चिमी तट सैन्य सड़कों से घिरा हुआ है और चेक–पोस्ट तथा निगरानी टावरों से भरा हुआ है, जिन पर इजरायली सेना तैनात है। इजरायली सैन्य मंजूरी के बिना इलाके में कोई आवाजाही नहीं हो सकती है, और रिपोर्ट बताती हैं कि फिलिस्तीनी खेत, फार्म और जैतून के बाग सशस्त्र इजरायली निगरानीकर्ताओं के उत्पात से सुरक्षित नहीं हैं। कोई भी ताकत इजरायलियों को 1967 के युद्ध के बाद से बनाए गए व्यापक और व्यापक सुरक्षा ढांचे को खत्म करने के लिए मजबूर नहीं कर सकती है। उन्हें आयरन डोम नामक मोबाइल ऑल–वेदर एयर डिफेंस सिस्टम को हटाने के लिए भी कहा जा सकता है जो इजरायल को फिलिस्तीनी रॉकेट और मिसाइलों के हमले से बचाता है। वैश्विक समुदाय के लिए कार्य यह सुनिश्चित करना है कि इन दबावों से फिलिस्तीनी स्वायत्तता खत्म न हो।

भारत में धार्मिक सहिष्णुता, मिथक बनाम वास्तविकता

विनोद

जब भी धार्मिक सहिष्णुता का सवाल उठता है, पश्चिमी मीडिया अक्सर भारत को नकारात्मक रूप में पेश करता है। केंद्र में सत्ता परिवर्तन (कांग्रेस से भाजपा) के साथ कई लोगों ने भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों के लिए आने वाले दिनों में मुश्किलों की भविष्यवाणी की। अगर व्हाट्सएप फॉरवर्ड, फेसबुक पोस्ट और ट्वीट पर विश्वास किया जाए तो ये अटकलें सच लगती हैं। हालाँकि, प्यू रिसर्च सेंटर (एक गैर–पक्षपाती तथ्य टैंक जो दुनिया को आकार देने वाले मुद्दों, दृष्टिकोणों और रुझानों के बारे में जनता को सूचित करता है) द्वारा हाल ही में किए गए शोध आधारित अध्ययन ने भारत में तथाकथित धार्मिक असहिष्णुता से संबंधित सभी मिथकों को तोड़ दिया।प्यू रिसर्च सेंटर द्वारा हाल ही में भारत भर के सभी प्रमुख धर्मों को शामिल करते हुए एक तथ्य आधारित और मिथक तोड़ने वाला सर्वेक्षण किया गया, जो 2019 के अंत और 2020 की शुरुआत (कोविड–19 महामारी से पहले) के बीच 17 भाषाओं में वयस्कों के लगभग 30,000 आमने–सामने साक्षात्कारों पर आधारित है। इसमें पाया गया है कि इन सभी धार्मिक पृष्ठभूमियों के भारतीयों का कहना है कि वे अपने धर्मों का पालन करने के लिए बहुत स्वतंत्र हैं। कर्म को आमतौर पर हिंदू धर्मशास्त्र का एक हिस्सा माना जाता है, हालांकि, हिंदुओं के अलावा, भारत में 75: से अधिक मुसलमान भी कर्म की अवधारणा में विश्वास करते हैं। इसके अलावा, उत्तर भारत में, 12: हिंदू और 10: सिख, साथ ही 37: मुसलमान सूफीवाद से पहचान रखते हैं, जो एक रहस्यमय परंपरा है जो इस्लाम से सबसे अधिक जुड़ी हुई है। दो तिहाई जैन और लगभग आधे सिख कहते हैं कि उनमें हिंदुओं के साथ बहुत कुछ समान है और लगभग सभी जैन (92:) कहते हैं कि वे एक हिंदू पड़ोसी को स्वीकार करने के लिए तैयार होंगे। कई हिंदू (45:) कहते हैं कि उन्हें सभी अन्य धर्मों के पड़ोसी होने से कोई समस्या नहीं है, चाहे वे मुस्लिम, ईसाई, सिख, बौद्ध या जैन हों। एक अनूठी लेकिन पारस्परिक रूप से समझदार मानसिकता प्रदर्शित करने वाले भारतीय धार्मिक सहिष्णुता में विश्वास करते हैं और अपने धार्मिक समुदायों को अलग–अलग क्षेत्रों में रखने के लिए लगातार प्राथमिकता देते हैं, वे एक साथ रहते हैं लेकिन अलग–अलग। धार्मिक रूप से अलग–थलग समाज के पक्षधर भारतीय भी धार्मिक सहिष्णुता को एक मुख्य मूल्य के रूप में बहुत महत्व देते हैं। जैसा कि प्यू रिसर्च सेंटर ने बताया, भारत में धार्मिक सहिष्णुता की अवधारणा में धार्मिक समुदायों का मिश्रण शामिल नहीं है। जबकि कुछ देशों में लोग विभिन्न धार्मिक पहचानों का मेल्टिंग पॉट बनाने की आकांक्षा रखते हैं, कई भारतीय एक देश को पैचवर्क फैब्रिक की तरह अधिक पसंद करते हैं, जिसमें समूहों के बीच स्पष्ट रेखाएँ हों। राजनीति से प्रेरित और टीआरपी के भूखे मीडिया घराने इस खूबसूरत अलगाव को धार्मिक असहिष्णुता के रूप में प्रस्तुत करते हैं, जो भारत के मूल मूल्यों के खिलाफ है। व्हाट्सएप और फेसबुक यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर शायद दार–उल–कजा शब्द से परिचित नही हैं– एक संस्था जिसका अस्तित्व मात्र भारत में गहरी धार्मिक सहिष्णुता का प्रमाण है। 1937 से, भारत के मुसलमानों के पास आधिकारिक रूप से मान्यता प्राप्त इस्लामी अदालतों में पारिवारिक और विरासत से संबंधित मामलों को हल करने का विकल्प है, जिन्हें दार–उल–कजा के रूप में जाना जाता है। इन अदालतों की देखरेख धार्मिक मजिस्ट्रेट करते हैं जिन्हें काजी के रूप में जाना जाता है और ये इस्लामी सिद्धांतों के तहत काम करते हैं। 2021 तक, भारत में लगभग 70 दार–उल–कजा हैं। दार– उल– कजा की देखरेख ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड करता है– एक ऐसा संगठन जो पूरी तरह से धार्मिक कानूनों के आधार पर मुस्लिम मामलों की देखभाल करने के लिए समर्पित है। हालाँकि, अपने 2019 के राजनीतिक घोषणापत्र में, भाजपा ने एक राष्ट्रीय समान नागरिक संहिता बनाने की इच्छा व्यक्त की, यह कहते हुए कि इससे लैंगिक समानता बढ़ेगी। कई लोगों ने इसे धार्मिक असहिष्णुता का उदाहरण बताया, हालांकि, वे इस तथ्य को समझने में विफल रहे कि समान नागरिक संहिता का मूल आधार लैंगिक असमानता के मुद्दे को संबोधित करना है और इस तथ्य को भी संबोधित करना है कि दार– उल–कजा जैसी संस्थाएं भारतीय न्यायपालिका को कमजोर करने की क्षमता रखती हैं, क्योंकि आबादी का एक हिस्सा बाकी सभी लोगों की तरह समान कानूनों से बंधा नहीं है जो एक युवा लोकतंत्र के अस्तित्व के लिए एक पूर्वापेक्षा है। कल्पना का कोई अंत नहीं है। किसी बात को सही या गलत बताने के लिए तर्क और तर्क दिए जा सकते हैं। तथ्यों पर आधारित बातों को आम तौर पर स्वीकार किया जाता है और वे लंबे समय तक चलती हैं। भारत में धार्मिक सहिष्णुता मूर्त है और इसे केवल सनक और कल्पना के आधार पर अनदेखा नहीं किया जा सकता।

हाल ही में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन

ललित

युद्धों और अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के टूटने से त्रस्त वैश्विक परिदृश्य में, इस सप्ताह रूस में ब्रिक्स समूह के नेताओं ने कूटनीति की शक्ति को रेखांकित किया। भारतीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच बैठक – पाँच वर्षों में उनकी पहली मुलाकात – ने दो एशियाई दिग्गजों के बीच की बर्फ को पिघला दिया, जिनके संबंध हाल के वर्षों में खराब हो गए थे, खासकर 2020 में लद्दाख में एक घातक सीमा संघर्ष के बाद। श्री मोदी और श्री शी के बीच बातचीत दोनों पक्षों द्वारा यह घोषणा किए जाने के तुरंत बाद हुई कि उनके सैनिक, जो वास्तविक नियंत्रण रेखा के साथ कई बिंदुओं पर तनावपूर्ण गति रोध में बंद थे, एक नए समझौते के तहत अलग हो जाएंगे। भारत और चीन रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी बने रहेंगे, जो एक–दूसरे पर गहरा संदेह करते हैं। इस प्रकार, उस रिश्ते को जिम्मेदारी से प्रबंधित करना ताकि यह ठंडे – या इससे भी बदतर, गर्म – युद्ध में न बढ़े, दोनों देशों के हित में है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ एक अलग बैठक में, श्री मोदी ने मास्को और कीव के बीच अपनी शटल कूटनीति को जारी रखा, युद्धरत पड़ोसियों के बीच बातचीत के लिए दबाव डाला। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ने श्री मोदी को पहली बार ईरान के नए राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से मिलने का अवसर भी दिया। संयुक्त अरब अमीरात, मिस्र, इथियोपिया और ईरान के नेता – जो वर्ष की शुरुआत में समूह में शामिल हुए थे – अपने पहले वार्षिक शिखर सम्मेलन में शामिल हुए। लेकिन सम्मेलन के दौरान द्विपक्षीय बैठकें ही एकमात्र ऐसी घटनाएँ नहीं थीं जो उल्लेखनीय रहीं। कजान शहर में बैठक करते हुए, ब्लॉक के नेताओं ने एक ऐसा दृष्टिकोण जारी किया जो ळ7 जैसे पश्चिम के नेतृत्व वाले समूहों द्वारा समर्थित दृष्टिकोण से बहुत अलग था।

उन्होंने फिलिस्तीन में इजराइल के सामूहिक नरसंहार की निंदा की, गाजा में तत्काल युद्धविराम का आह्वान किया और लेबनान और संयुक्त राष्ट्र के शांति सैनिकों पर हमलों के लिए इजराइल की आलोचना की। उन्होंने पश्चिम द्वारा अन्य देशों पर लगाए गए एकतरफा प्रतिबंधों को खारिज कर दिया और एक निष्पक्ष अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का आह्वान किया। ये मुद्दे ब्रिक्स सदस्यों के विशिष्ट राष्ट्रीय हितों की पूर्ति करते हैं। रूस पश्चिमी प्रतिबंधों का सबसे बड़ा शिकार रहा है भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका वैश्विक उच्च तालिका में स्थान चाहते हैं।

अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थ जिन्हें आपको जानना आवश्यक

संजय

हम सभी इस बात से भली–भांति परिचित हैं कि आज की भागदौड़ भरी दुनिया में फास्ट फूड और जंक फूड के विकल्प लगातार हमें घेरते रहते हैं। यह समझने योग्य है कि कभी–कभी, जीवन की भागदौड़ में, ये विकल्प अपरिहार्य हो जाते हैं। हालाँकि ये विकल्प सुविधाजनक हो सकते हैं, लेकिन इनकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है – न कि केवल हमारी जेब पर! मैंने शीर्ष 25 अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों की एक सूची तैयार की है जिनसे आपको बचना चाहिए लेकिन इससे पहले कि हम उस सूची में उतरें, मैं इस बात पर प्रकाश डालना चाहता हूं कि इन खाद्य पदार्थों से दूर रहना क्यों महत्वपूर्ण है। किसी सूची पर नजर डालना और यह सोचना आसान है, अब से मैं इनसे बचूंगा, लेकिन यह समझे बिना कि ये विकल्प आपके स्वास्थ्य पर कैसे प्रभाव डाल सकते हैं, स्थायी परिवर्तन करना चुनौतीपूर्ण है। प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के खतरे अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों के दायरे में सबसे बड़ी चिंताओं में से एक भारी प्रसंस्कृत विकल्पों का प्रचलन है। प्रसंस्कृत भोजन अक्सर कई शोधन चरणों से गुजरता है जो आवश्यक पोषक तत्वों को छीन लेता है, जिससे एक ऐसा उत्पाद निकल जाता है जिसमें न केवल स्वास्थ्यवर्धक घटकों की कमी होती है बल्कि कृत्रिम योजक और परिरक्षकों की भी भरमार होती है। इन एडिटिव्स में उच्च स्तर का सोडियम, कृत्रिम मिठास और अस्वास्थ्यकर ट्रांस वसा शामिल हो सकते हैं, ये सभी हमारे स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव डालने के लिए जाने जाते हैं! ट्रांस फैट ट्रबलमेकर्स ट्रांस वसा ने, विशेष रूप से, स्वास्थ्य पर उनके विनाशकारी प्रभाव के लिए ध्यान आकर्षित किया है। ये कृत्रिम रूप से निर्मित वसा आमतौर पर कई जंक फूड और फास्ट–फूड वस्तुओं में पाए जाते हैं, जो उनके शेल्फ जीवन को बढ़ाते हैं लेकिन गंभीर स्वास्थ्य जोखिम भी पैदा करते हैं। ट्रांस वसा का सेवन हृदय रोग के बढ़ते जोखिम से जुड़ा हुआ है, क्योंकि वे अच्छे कोलेस्ट्रॉल को कम करते हुए खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बढ़ाते हैं। इस दोहरी मार से एथेरोस्क्लेरोसिस का विकास हो सकता है, यह एक ऐसी स्थिति है जो धमनियों के सिकुड़ने और सख्त होने की विशेषता है, जिससे अंततः दिल के दौरे और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। पाचन में व्यवधान पोषक तत्वों की कमी के अलावा, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ आपके पाचन तंत्र पर कहर बरपा सकते हैं! इन अत्यधिक परिष्कृत उत्पादों से अक्सर आहारीय फाइबर छीन लिया जाता है, जो स्वस्थ पाचन के लिए एक आवश्यक घटक है। फाइबर के पर्याप्त सेवन के बिना, आपकी पाचन प्रक्रिया सुस्त हो सकती है, जिससे कब्ज और असुविधा जैसी समस्याएं हो सकती हैं। मैं समझता हूं कि जब आप अस्वास्थ्यकर प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की इस व्यापक सूची को पढ़ते हैं, तो उन्हें अपने आहार से पूरी तरह खत्म करना असंभव लग सकता है, और यह है! यह पहचानना महत्वपूर्ण है कि हम सभी इंसान हैं, और कभी–कभी लालसा या भोग जीवन का हिस्सा हैं। इसलिए, यदि आप इस जंक फूड सूची से पूरी तरह से बच नहीं सकते हैं तो अपने आप पर बहुत अधिक कठोर न बनें! लेकिन यहाँ एक बात है – हालाँकि यह आपके लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन आपके शरीर के पास पसंद की समान सुविधा नहीं है। जब अस्वास्थ्यकर प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की बात आती है तो आपका शरीर ष्कभी–कभीष और ष्अक्सरष के बीच अंतर नहीं करता है। यह बस उस पर प्रतिक्रिया करता है जो आप इसे खिलाते हैं। भले ही आप इन खाद्य पदार्थों से पूरी तरह से परहेज नहीं कर सकते हैं, फिर भी आपके शरीर को उन्हें संसाधित करना पड़ता है, और यह आपके पाचन तंत्र पर महत्वपूर्ण दबाव डाल सकता है। यहीं पर सोलुना के फील गुड डाइजेस्टिव एंजाइम काम में आते हैं। ये प्राकृतिक पूरक आपके शरीर को विभिन्न खाद्य पदार्थों को तोड़ने और पचाने में सहायता करने के लिए सावधानीपूर्वक तैयार किए गए हैं, जिनमें कुख्यात प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ भी शामिल हैं। अपने पाचन तंत्र को आवश्यक अतिरिक्त सहायता प्रदान करके, आप संभावित असुविधा और पाचन संकट को कम कर सकते हैं जो अक्सर इन अस्वास्थ्यकर भोजन विकल्पों के साथ होता है। 25 जंक फूड से दूर रखेंथाली सोडा 1. सोडा अम्लीय, रसायन युक्त, और एचएफसीएस या कृत्रिम मिठास (आहार किस्मों) से भरपूर, हर कीमत पर सभी सोडा से बचें। इसके बजाय, कुछ सादा पानी लें या अपना खुद का पानी लाएँ। 2. तला हुआ चिकन हार्मोन और एंटीबायोटिक्स से भरपूर पारंपरिक चिकन से बना, ग्लूटेन युक्त ब्रेडिंग और एमएसजी और नमक जैसे रसायनों से ढका हुआ, और सस्ते, बासी तेल में तला हुआ, तला हुआ चिकन कैलोरी, वसा और अन्य रसायनों में उच्च होता है जो आपको बीमार कर सकता है। इसे बिल्कुल छोड़ दें. कृपया, कृपया, कभी भी तला हुआ खाना न खाएं! 3. अंडा और सॉसेज सैंडविच हार्मोन, नमक, एंटीबायोटिक्स और डेयरी उस नाश्ते के सैंडविच को एक गैर–स्वास्थ्यप्रद विकल्प बनाते हैं। इसके बजाय, अपने दिन की शुरुआत ग्लोइंग ग्रीन स्मूथी से करें। आप कई बना सकते हैं और उन्हें अपने फ्रीजर में रख सकते हैं ताकि आप हमेशा एक को डीफ्रॉस्ट कर सकें और फिर भी एक को बांध कर रख सकें। 4. बेकन चीजबर्गर मैं कहाँ से शुरू करूँ? वसा, कैलोरी और कोलेस्ट्रॉल बेकन चीजबर्गर की समस्या का केवल एक हिस्सा हैं, जिसमें एचएफसीएस (ब्रन्स और मसालों में), डेयरी, नमक, हार्मोन और एंटीबायोटिक्स भी होते हैं। यह बिलकुल खघ्राब है. इसके बजाय, वेजी बर्गर या एवोकैडो सैंडविच चुनें। 5. फ्रेंच फ्राइज अस्वास्थ्यकर नाश्ते के बारे में बात करें! फ्राइज केवल नमकीन, अस्वास्थ्यकर वसा बम हैं जिन्हें सबसे खराब संभव बासी तेल में तला जाता है। कई फास्ट फूड स्थान अब फ्राइज के विकल्प प्रदान करते हैं, जैसे साइड सलाद (कोई ड्रेसिंग नहीं!) 6. मिल्कशेक मिल्कशेक सबसे लोकप्रिय जंक फूड उदाहरणों में से एक है, और अच्छे कारण से! संतृप्त वसा, अतिरिक्त चीनी, पारंपरिक डेयरी और अक्सर स्वाद के लिए रसायनों से भर पूर, मिल्कशेक आपको सुस्त और बीमार महसूस करा सकता है। उन्हें छोड़ें और इसके बजाय द ब्यूटी डिटॉक्स सॉल्यूशन में स्मूथी व्यंजनों में से एक आजमाएं। 7. आलू के चिप्स आलू के चिप्स लोकप्रिय हैं और हानिरहित लग सकते है।

गरीब बच्चों को निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए गोल्डन फ्यूचर ट्रस्ट स्कूल का उद्घाटन

मृत्युंजय प्रताप सिंह पत्रकार

लखनऊ। गोल्डन फ्यूचर ट्रस्ट एवं होम्योपैथिक रिसर्च फाऊंडेशन गर्व के साथ अपने स्कूल का उद्घाटन कर रहा है, जो गरीब बच्चों को निःशुल्क और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए समर्पित है। यह प्रेरणादायक समारोह शनिवार, 26 अक्टूबर 2024 को दोपहर 3:00 बजे से 5:00 बजे के बीच रामलीला ग्राउंड मड़ियांव, गायत्री नगर, मड़ियांव पुलिस स्टेशन, लखनऊ में आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. एस.पी. सिंह, पूर्व कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय, और विशिष्ट अतिथि श्री अनिल कुमार श्रीवास्तव, निदेशक, जन शिक्षा संस्थान, लखनऊ, कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। श्री श्रीवास्तव, भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के तत्वाधान में समाज में पिछड़े वर्गों को शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता निभा रहे हैं।

डॉ. गिरीश गुप्ता और श्री शोभित नारायण अग्रवाल, श्रीमती कुमकुम अग्रवाल, डॉक्टर अंजली गुप्ता एवं श्रीमती पुनीता भटनागर जी, समाज के आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए इस विद्यालय की स्थापना की है। गोल्डन फ्यूचर ट्रस्ट स्कूल वर्तमान में 80 बच्चों को शिक्षा प्रदान कर रहा है और यहाँ समर्पित शिक्षकों द्वारा बच्चों को शिक्षित किया जा रहा है। डॉ. गिरीश गुप्ता ने कहा, यह विद्यालय समाज में आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए निःशुल्क और उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा के प्रति एक प्रेरणादायक कदम है। शोभित जी के साथ मिलकर हमने इस स्वप्न को साकार किया है, जिससे समाज में एक सकारात्मक संदेश जाएगा। अपने समर्पण को दर्शाते हुए श्री शोभित नारायण अग्रवाल ने कहा, ष्यह विद्यालय हमारी एक शुरुआत है। हमारा संकल्प है कि भविष्य में और भी विद्यालय खोले जाएं, जहाँ बच्चों को शिक्षा के साथ–साथ सिलाई, कढ़ाई, कंप्यूटर प्रशिक्षण जैसे कौशल प्रदान किए जाएं।

स्किल इंडिया प्रोग्राम के साथ मिलकर हम समाज के गरीब और पिछड़े बच्चों की सेवा करेंगे और उनके जीवन को बदलने की दिशा में काम करेंगे। गोल्डन फ्यूचर ट्रस्ट स्कूल का यह प्रयास समाज में शिक्षा के महत्व को बढ़ावा देने वाला एक प्रेरणादायक उदाहरण है। विद्यालय अपनी प्रगतिशील दृष्टि के साथ लखनऊ और उसके आसपास के क्षेत्रों में गरीब बच्चों के भविष्य को उज्ज्वल बनाने का वादा करता है।

उपज के महामंत्री, वरिष्ठ पत्रकार राधेश्याम लाल कर्ण का निधन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट (उपज) के महामंत्री वरिष्ठ पत्रकार राधेश्याम लाल कर्ण का शुक्रवार को रायबरेली स्थित उनके आवास पर दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। सूचना मिलते ही देश–प्रदेश में शोक संवेदना प्रकट करने वालों का तांता लग गया। गौरतलब हो कि एनयूजेआई से सम्बद्ध उपज के महामंत्री राधेश्याम लाल कर्ण जी ने अपनी मेहनत और परिश्रम के दम पर संगठन का कार्य क्षेत्र न सिर्फ पूरे प्रदेश में बल्कि देश में भी बढ़ाने का काम किया था। सितम्बर माह में वे जौनपुर दौरे पर भी आए थे और यहां भी उन्होंने संगठन की जिम्मेदारी सहारा न्यूज नेटवर्क के ब्यूरो चीफ सै. हसनैन कमर दीपू को दी थी और जिले की टीम भी गठित कर दी गई थी। उनके निधन का समाचार मिलते ही जिलाध्यक्ष सै. हसनैन कमर दीपू के नेतृत्व में शोकसभा आयोजित कर मृतक आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। इस मौके पर महामंत्री राहुल प्रजापति, कोषाध्यक्ष अंकित जायसवाल, उपाध्यक्ष राजन मिश्रा, कृष्णा सिंह, आमिर अब्बास, मो. उस्मान, इमरान, अब्बास, मो. अब्बास, अजादार हुसैन, नायाब हसन सोनू, अबूल खैर, अमित गुप्ता, सारिक खान, शाकिब जैदी, अखिलेश श्रीवास्तव ने भी उनके निधन पर अपनी शोक संवेदना प्रकट करते हुए परिजनों को इस दुख की घड़ी सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना किया।

जिला स्तरीय समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक संपन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिला स्तरीय समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक सांसद सदर बाबू सिंह कुशवाहा की अध्यक्षता में तथा सह अध्यक्ष सांसद मछलीशहर सुश्री प्रिया सरोज, राज्यसभा सांसद श्रीमती सीमा द्विवेदी की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। जिला प्रशासन द्वारा अध्यक्ष सहित उपस्थित समस्त जनप्रतिनिधिगणों को अंगवस्त्रम, पुष्पगुच्छ तथा पर्यावरण संरक्षण हेतु पौधे देकर उनका स्वागत किया गया। बैठक में उपायुक्त मनरेगा से मनरेगा अन्तर्गत कराये जा रहे कार्यों, भुगतान आदि की समीक्षा की गई। उपायुक्त मनरेगा को निर्देश दिया गया कि ग्राम पंचायतवार किए गए कार्य, भुगतान, मानक के सम्बन्ध में विस्तृत रिपोर्ट दे। इस दौरान मा0 अध्यक्ष जी द्वारा एक्सईएन सिंचाई से नहरो में पानी की उपलब्धता तथा साफ–सफाई के सन्दर्भ में जानकारी लेते हुए निर्देश दिया गया कि सील्ट सफाई के पश्चात टेल तक पानी पहुंचाने के साथ ही नहरों के किनारे साफ–सफाई तथा झाड़ियों की कटाई के निर्देश दिए।

डीसीएनआरएलएम से सक्रिय समूहो के सन्दर्भ में जानकारी ली और समूहो की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। प्रधानमंत्री आवास के सन्दर्भ में जानकारी लेते हुए निर्देश दिया कि पात्र लोगों को लाभ दिलाये और पात्रों का नाम सर्वे में दर्ज कराते हुए अन्तिम सूची फाइनल करने से पहले सूची को मा0 जनप्रतिनिधियों को भी उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। अध्यक्ष द्वारा जल जीवन मिशन (शहरीध्ग्रामीण) के तहत जगह–जगह खोदी गयी सड़कों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए रिस्टोर कराने के निर्देश दिये गये। इसके साथ ही सभी घरो तक पेयजल पहुंचाया जाना सुनिश्चित किया जाए।

कृषि विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए उपनिदेशक कृषि को निर्देश दिया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से संतृप्त किसानों की सूची उपलब्ध कराये।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी से चिकित्सा व्यवस्था के बारे में जानकारी लेते हुए निर्देश दिया कि अस्पतालों में साफ–सफाई, दवाओं की उपलब्धता, मरीजों से अच्छा व्यवहार एवं डाक्टर की नियमित उपस्थित होनी चाहिए। मुंगराबादशाहपुर में महिला चिकित्सक की नियुक्ति करने के निर्देश दिये गये। शाहगंज में हेल्थ एटीएम ठीक कराने के निर्देश दिये गये। इसके साथ ही पीएचसी सुईथाकला में एक्सरे मशीन जो विगत कई वर्षो से टेक्निशियन के अभाव में अनुपयोगी पड़ा हुआ है उसे उपयोगिता में लाने के निर्देश मुख्य चिकित्साधिकारी को दिये। प्राथमिक स्वास्थय केन्द्रों के जीर्णोद्धार कराने के निर्देश दिये गए।

अधीक्षण अभियंता विद्युत के प्रति जनप्रतिनिधियों के द्वारा बार बार ट्रासफार्मर जलने की समस्या, जर्जर तार, ट्रांसफार्मरो की क्षमतावृद्वि आदि के सन्दर्भ में नाराजगी व्यक्त की गयी तथा अध्यक्ष द्वारा निर्देशित किया गया कि जनप्रतिनिधियो के निधि से दिये गये बजट में कार्य कराने में देरी न किया जाए तथा विद्युत सम्बन्धी समस्या का त्वरित निस्तारण करें। अध्यक्ष जी ने एक्सईएन पीडब्ल्यूडी से सड़को के निर्माण प्रगति और गड्ढ़ामुक्त सड़को के सन्दर्भ में सूची मांगी। बेसिक शिक्षा अधिकारी से निपुण घोषित विद्यालयों की सूची मांगी और विद्यालयों का कायाकल्प कराने तथा शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये।

अन्त में अध्यक्ष जी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि पात्र लोगो को योजनाओं का लाभ दिलाते हुए जनता के भलाई के लिए कार्य करें। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र ने अध्यक्ष व सदस्यगण को आश्वस्त कराया कि जितने भी निर्देश दिये गये है उनका शत–प्रतिशत अनुपालन कराते हुए शीघ्र ही सभी जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया जाएगा। समस्त अधिकारी जनप्रतिनिधियों के नम्बर अपने फोन में सुरक्षित रखे तथा उनके कॉल का प्रत्युत्तर अवश्य दे। उन्होंने उपस्थित सभी लोगो का आभार भी व्यक्त किया।

इस अवसर पर विधायक जफराबाद जगदीश नारायण राय, केराकत तूफानी सरोज, शाहगंज रमेश सिंह, मड़ियाहूं डा0 आर के पटेल, नगर पालिका जौनपुर अध्यक्ष श्रीमती मनोरमा मौर्या, राज्यमंत्री खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चन्द्र यादव के प्रतिनिधि अजय सिंह, ब्लाक प्रमुखगण व जन प्रतिनिधिगण, मा0 विधायकों और एमएलसी के प्रतिनिधिगण, तथा मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम, परियोजना निदेशक कृष्ण करूणाकर पाण्डेय सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

दीपावली व अन्य पर्वो मे बस यात्रियो से शालीनता से पेश आये चालक परिचालक – आरटीओ प्रवर्तन

अयोध्या। दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं भैया दूज के त्योहारों के अवसर पर परिवहन विभाग लोगो को जागरुक करने मे जुटा हुआ है।इस संबंध मे संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन विश्वजीत सिंह ने संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन की अध्यक्षता में बस एसोसिएशन के पदाधिकारी के साथ बैठक किया। इस मौके पर उन्होने बस एसोसिएशन के पदाधिकारियो से अपील किया कि वे सभी वाहन के प्रपत्र वैद्य होने पर ही वाहन का संचालन करें।किसी भी दशा में निश्चित सीट से अधिक यात्रियों का परिवहन ना करें।तेज गति अथवा खतरनाक तरीके से वाहन ना चलाएं। चालक नशे की हालत में वाहन ना चलाएं। बसों में पटाखे अथवा अन्य ज्वलनशील सामग्री का परिवहन ना किया जाए।चालक और परिचालक द्वारा यात्रा कर रहे आमजन के साथ व्यवहार को मृदु रखा जाए।उन्होने कहा कि अगर कोई चालक निर्देशों का पालन न करते नही पाया गया तो चालक, परिचालक व वाहन स्वामियों के विरुद्ध प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा कड़ी कार्रवाई की जाएगी।बैठक मे बस एसोसिएशन के बीपी पांडे,रविंदर यादव,रामानंद दुबे, मनोज दुबे,जेपी दुबे,अरविंद यादव,संजय गुप्ता, कमर सतीश, संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन आरपी सिंह एवं संभागीय निरीक्षक प्रेम सिंह उपस्थित थे।

ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह व आजाद सिंह केशरी बने इंस्पेक्टर से डिप्टी एसपी

अयोध्या। जिले मे एटीएस प्रभारी निरीक्षक पद पर तैनात ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह डिप्टी एसपी के पद पर पदोन्ति हुये।बताते चले कि डिप्टी एसपी पर पदोन्ति पाये ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह 2021 से जिले मे बतौर प्रभारी निरीक्षक एटीएस पद पर तैनात है। इसी कडी मे कुछ वर्ष पूर्व जिले के कोतवाली नगर, थाना कैंट, थाना रौनाही, थाना रुदौली, थाना महाराजगंज मे तैनात आजाद सिंह केसरी विभिन्न पदो पर तैनात रह चुके है। इस समय वे सीबीसीआईडी विभाग मे निरीक्षक पद पर तैनात है। निरीक्षक से डिप्टी एसपी पद पर पदोन्ति हुये है।इन दोनो अधिकारियो ने बताया कि शासन के मंशानुरुप कार्य करना उनकी प्रथम प्राथमिकता है।

संस्कृत प्रतिभा खोज सम्मान समारोह का उद्घाटन उद्घाटन किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ द्वारा संस्थान परिसर में आज दिनांक 26.10. 2024 को संस्कृत प्रतिभा खोज सम्मान समारोह का उद्घाटन प्रातः 10रू30 बजे किया गया। सर्वप्रथम दीप प्रज्वलन, माल्यार्पण के पश्चात् मुख्य अतिथियों का वाचिक स्वागत किया गया। आये हुए अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्थान के निदेशक श्री विनय श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में कहा कि जनपदों, मंडलों तथा राज्यस्तर पर कुल 11 प्रतियोगिताओं (संस्कृत गीत, संस्कृत वाचन, संस्कृत सामान्य ज्ञान, श्लोकान्त्याक्षरी, अष्टाध्यायी कण्ठस्थ पाठ, अमरकोष कण्ठस्थ पाठ, लघुसिद्धान्त कौमुदी कण्ठस्थ पाठ, तर्कसंग्रह कण्ठस्थ पाठ, संस्कृत भाषण एवं श्रतुलेखन) में छात्र, अध्यापक आदि सहित कुल 25 हजार से अधिक लोग उपस्थित होते है। संस्कृत प्रतिभा खोज सम्मान समारोह में प्रदेश के 7000 बच्चों की प्रतिभागिता के उपरान्त 11 विधाओं में राज्य स्तर पर 300 बच्चों की सहभागिता में विजयी छात्रों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जितेन्द्र कुमार, अपर मुख्य सचिव, भाषा विभाग आये हुए अतिथियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि संस्कृत संस्थान के पुरस्कार समारोह में वर्ष 2017 में मा० मुख्यमंत्री जी ने अपने उद्बोधन में कहा था कि ष्उत्तर प्रदेश के हर विद्यालय में, चाहें वह किसी भी माध्यम का हो, किसी भी बोर्ड का हो वहां पर छात्र सामान्य संस्कृत सम्भाषण में बोलते हुए दिखाई देंष् इसी पहल के कम में संस्कृत संस्थान दो दिवसीय राज्य स्तरीय प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का आयोजन कर रहा है। इस योजना का उद्देश्य छात्रों में छुपी प्रतिभा को पहचानना, प्रोत्साहित करना और मंच प्रदान करना है। संस्कृ त प्रतिभा खोज उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान की एक महत्वाकांक्षी योजना है। इसके अन्तर्गत प्रदेश में अध्ययन करने वाले सभी बोर्ड तथा विश्वविद्यालय के विद्यार्थी प्रतिभाग करते हैं।

प्रातः 11रू00 बजे स्वास्थ्य समग्र विकास पर प्रख्यात चिकित्सक डॉ० पंकज भारती द्वारा कार्यशाला में साधारण खान–पान में परिवर्तन से स्वास्थ्य लाभ, पोश्चर करेक्शन के माध्यम से स्वास्थ्य लाभ, ट्रांसफोरमेटिव योग धुआँ धुआँ से सम्पूर्ण लाभ, जीवन में कैसे तनाव मुक्त रहें, हृदय रोग, मोटापा, ब्लड प्रेशर, डिप्रेशन, अत्याधिक चिन्ता आदि विभिन्न विषयों पर परिचर्चा

की गयी। कार्यक्रम में आमंत्रित प्रो० ओमप्रकाश पाण्डेय संस्कृत विद्वान द्वारा भी अपने विचार व्यक्त किये गये।

कलम दवात पूजा 3 नवंबर को – के सी श्रीवास्तव

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। 3 नवंबर को चित्रगुप्त मंदिर हैदरगंज परिसर में यम द्वितीया पूजन एवं कार्यालय लोकार्पण समारोह 3 नवंबर को कलम दवात की पूजा सम्पन्न होगी।इस बात की जानकारी देते हुये चित्रांश सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष के सी श्रीवास्तव ने बताया कि इस मौके पर मुख्य अतिथि पीयूष चंद्रा होगे।उन्होने बताया कि इस दिन 10 बजे चित्रगुप्त कथा व कलम दवात पूजा,11 बजे मंदिर कार्यालय का लोकार्पण हवन,पूर्णाहुति प्रसाद वितरण,वरिष्ठ समाजिक नागरिक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है।

दीपावली से पहले ही बिना लाइसेन्स के व्यवसायी को पटाखा के साथ पुलिस ने पकड़ा

सुलतानपुर। लाखों के अवैध पटाखों के साथ दो व्यक्तियों को लंभुआ पुलिस ने पकड़ा बगैर लाइसेंस के पटाखा लाकर क्षेत्र में बेचने की थी तैयारी लंभुआ सर्किल के सीओ अब्दुस सलाम को मिली मुखबिर से सूचना सीओ के निर्देश पर लंभुआ कोतवाल ने हरिहरपुर ग्रामसभा पटाखा व्यवसायी आकाश जायसवाल पुत्र ओमप्रकाश जायसवाल व एक अन्य को लिया हिरासत में करीब एक पिकअप पटाखे के साथ थाने में लाकर पुलिस कर रही पूछताछ।

भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है जो कार्यकर्ता की पार्टी है - ए के शर्मा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भाजपा के जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह के अध्यक्षता मे एक परिचयात्मक बैठक शनिवार को आयोजित की गई। जिसके मुख्य अतिथि के रूप मे ऊर्जा मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार एव जिला प्रभारी मंत्री ए के शर्मा एव विशिष्ट अतिथि जिला प्रभारी अशोक चौरसिया रहे। सर्वप्रथम पार्टी के पुरोधा डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि ए के शर्मा ने कहा कि विपक्षी पार्टियां परिवारवादी पार्टियां हैं, भाजपा एक ऐसी पार्टी है जो कार्यकर्ता की पार्टी है। भाजपा में कार्यकर्ता ही सर्वोपरि है। जब भी आपको जरूरत होगी आधी रात मे भी जौनपुर के कार्यकर्ताओ के लिए उपलब्ध रहुगा, अयोध्या में राम, नौजवानों को काम, किसानों को सही दाम, महिलाओं का सम्मान यही हमारा मूल मंत्र है। हमारी पार्टी राष्ट्र सर्वोपरि के लिए कार्य करती है, बाकी पार्टियां वोट बैंक की राजनीति करते हैं। आज पीएम मोदी के नेतृत्व में दुनिया में भारत मजबूती के साथ खड़ा है। भारत को विकसित बनाने के लिए मोदी लगातार कार्य कर रहे हैं। उन्होंने लोगों से आवाहन किया भारत माता अखंड बने, राष्ट्र मजबूत हो, भारत विकसित बने, लक्ष्मी जी हमेशा कमल के फूल पर बैठकर आती है कभी भी पंजा और साइकिल पर बैठकर नहीं आती। इसलिए आप लोग मोदी और भाजपा के साथ मजबूती से खड़े रहे। विपक्ष देश में बांग्लादेश जैसे हालात बनाने की घोषणा कर रहा हैं जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के घोषणा पत्र को देखकर उनकी सोच का अंदाजा लगाया जा सकता है कश्मीर में फिर से पुरानी व्यवस्था बहाल करने की घोषणा करने वाली राजनीतिक पार्टी के नेता देश का भला कभी नहीं कर सकते है। उन्होने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे कमजोर मन से नहीं बल्कि मजबूत मन के साथ संगठन के कार्य में जुटे, क्योंकि बीजेपी की ताकत उसके कार्यकर्ता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चलने वाली सरकार की प्राथमिकता है उत्तर प्रदेश में बेहतर–कानून का राज कायम करने की हमारी सरकार ऐसे तत्वों पर जो गैरकानूनी काम करते हैं, अराजकता करते हैं, जिनकी समाज विरोधी गतिविधियों में संलिप्तता पाई जाती है, कठोर कार्रवाई कर रही है। विशिष्ट अतिथि के रूप मे जिला प्रभारी अशोक चौरसिया ने कहा कि देश की लगभग 1,500 छोटी–बड़ी पार्टियों में भाजपा इकलौती पार्टी है, जो संगठन के संविधान के अनुसार चलकर प्रजातांत्रिक मूल्यों को जीते हुए चल रही है। भाजपा ही एकमात्र ऐसा संगठन है, जिसमें हरेक कार्यकर्ता को आगे बढ़ने का मौका मिलता है। केंद्र सरकार द्वारा किए जा रहे जनहित एवं लोक कल्याणकारी कार्यों की बदौलत आज संगठन विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन बना है। इस गौरव में जमीनी स्तर के हरेक कार्यकर्ता की अहम भूमिका है। जिलाध्यक्ष मछलीशहर रामविलास पाल ने आभार व्यक्त करते हुये कहा कि मै अपने प्रशासनिक जिला के कार्यकर्ताओं की तरफ से जौनपुर मे आपके आगमन पर स्वागत अभिनंदन करता हु। जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने स्वागत भाषण देते हुये कहा कि हम सब सौभाग्यशाली हैं कि हम दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी के सदस्य के रूप में सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं। भारत के अंदर केवल भारतीय जनता पार्टी ही है जो कैडर आधारित पार्टी है। भारतीय जनता पार्टी भारत की माटी से जुड़कर, भारत के महापुरुषों से लेकर भारत की आत्मा का प्रतिनिधित्व करते हुए राजनीतिक क्षेत्र में राष्ट्र सर्वोपरि के भाव के साथ कार्य करने वाली पार्टी है। इसलिए यह पार्टी न केवल वर्तमान में पूरे देश में अपना सर्वव्यापी स्वरूप बनाने में सफल हुई है, बल्कि सर्वस्पर्शी भी बनी है और समाज के हर एक तबके को अपने साथ जोड़ने में पार्टी ने अपनी इस यात्रा में सफलता पाई है। कार्यक्रम का संचालन सुशील मिश्र ने की। उक्त अवसर पर राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी विधायक गण रमेश सिंह बृजेश सिंह प्रिंसू अजय सिंह पीयूष गुप्ता सुनील तिवारी अमित श्रीवास्तव मनोज दुबे सुधाकर उपाध्याय संतोष सिंह संदीप सरोज धनंजय सिंह राजू दादा उमाशंकर सिंह जयेश सिंह संतोष मिश्रा मनोरमा मौर्य रामसूरत मौर्य कपिल मुनी धीरू सिंह सुनील यादव आमोद सिंह रोहन सिंह जीतेन्द्र सिंह बेचन सिंह अनिल गुप्ता नरेन्द्र उपाध्याय अजय सरोज दिव्यांशु सिंह सुशांत चौबे अवनीश यादव नीरज मौर्य घनश्याम यादव मंडल प्रभारी गण मंडल अध्यक्ष गण उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय यूरोप एशिया चौंपियनशिप में वैष्णवी ने जीता कांस्य पदक

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। एशियाई देश येरीवन आर्मेनिया में 16 से 23 अक्टूबर तक कूड़ो की अंतरराष्ट्रीय यूरोप एशिया चौंपियनशिप प्रतियोगिता हुई। भारतीय दल को वैष्णवी सिंह असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक पर कब्जा किया। जापान व रसिया के खिलाड़ियों को शिकस्त दी। भारत के हेड कोच एवं कूड़ो एशिया के महासचिव हान्शी मेहूल वोरा के नेतृत्व में भारतीय दल अर्मेनिया गया था। अंतरराष्ट्रीय कूड़ो जगत में वैष्णवी ने भारत के लिए मेडल लाकर अपने राज्य उत्तर प्रदेश व जिला जौनपुर का नाम रोशन किया। कूड़ो एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष मो. एजाज खान व सेक्रेटरी विजय कसेरा के निर्देशन में कु. वैष्णवी कुडो का प्रशिक्षण ले रही है। उल्लेखनीय है कि कूड़ो मार्शल आर्ट को राष्ट्रीय खेल के रूप में भारत सरकार की मान्यता प्राप्त है। वैष्णवी जौनपुर जिले की नाहरमऊ टिकरा गांव की निवासी है। इस मेडल का श्रेय को अपने कोच मोहम्मद एजाज खान व विजय कसेरा एवं अपने पिता संजय सिंह को देती हैं। वैष्णवी सेकंडडेन ब्लैक बेल्ट है। 5 इंटरनेशनल एवं पिछले 10 साल से नेशनल चौंपियन है। वैष्णवी की शानदार जीत पर राष्ट्रीय कूड़ो संघ के चेयरमैन एवं बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार, फिल्म जगत के जॉन अब्राहम, भारत के हेड कोच हान्शी मेहूल वोरा ने एवं कई खेल व फिल्म जगत की हस्तियों ने वैष्णवी को एवं भारतीय दल को शुभकानाएं दी।

प्रदेश स्तरीय खेल समन्वय जूनियर बालक हॉकी प्रतियोगिता के लिए जनपदीय चयन/ट्रायल्स

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। क्रीड़ा अधिकारी डॉ0 अतुल सिन्हा ने अवगत कराया है कि खेल निदेशालय उ0प्र0, लखनऊ के तत्वावधान में खेल विभाग उ0प्र0 एवं उ0प्र0 हॉकी संघ के समन्वय से प्रदेश स्तरीय खेल समन्वय जूनियर बालक हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन 11 से 18 नवम्बर, 2024 तक रामपुर में किया जा रहा है। उक्त के क्रम में जनपद जौनपुर के जूनियर बालक खिलाड़ियों का जनपदीय चयन परीक्षण 05 नवम्बर 2024 को पूर्वान्ह 10.00 बजे से इन्दिरा गांधी स्टेडियम सिद्दीकपुर में किया जायेगा। जनपद स्तर पर चयनित जूनियर बालक खिलाड़ी ही 07 नवम्बर, 2024 को आयोजित मण्डल स्तरीय चयनध्ट्रायल्स, जो डॉ0 भीमराव अम्बेडकर क्रीड़ा संकुल लालपुर, वाराणसी में किया जायेगा, में प्रतिभाग करेंगे। मण्डल स्तरीय चयनध्ट्रायल्स उपरान्त मण्डल की टीम का गठन किया जायेगा, मण्डल स्तरीय टीम ही प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेगी। इच्छुक खिलाड़ी निर्धारित प्रारूप पर अपना पात्रता प्रमाण पत्र फोटो सहित तथा आयु प्रमाण–पत्र प्रधानाचार्य द्वारा प्रमाणित तथा आधार कार्ड के साथ, हाई स्कूल अंक पत्र की छायाप्रति साथ लेकर जनपदीय चयन/परीक्षण में प्रतिभाग कर सकते है।

बेरी एवियोनिक्स ने ड्रोन परिचालकों को प्रशिक्षण देने के लिए लखनऊ में खोला केंद्र

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। बेरी एवियोनिक्स ने ड्रोन परिचालन के लिए युवाओं को हुनरमंद बनाने को लखनऊ में रिमोट पायलट प्रशिक्षण केंद्र खोला है। ड्रोन प्रशिक्षण, शोध और विकास कंपनी ने बुधवार को बयान में कहा कि नियामक नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से प्रमाणित रिमोट पायलट प्रशिक्षण संगठन (आरपीटीओ) इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करेगा। साथ ही यह अपने संबंधित कारोबार में ड्रोन प्रौद्योगिकी के उपयोग की इच्छा रखने वाले पेशेवरों और उद्यमियों की भी जरूरतों को पूरा करेगा। बेरी एवियोनिक्स ने कहा कि कृषि, बुनियादी ढांचा और निगरानी सहित विभिन्न क्षेत्रों में ड्रोन का उपयोग तेजी से बढ़ने के साथ देश में प्रमाणित ड्रोन पायलटों की मांग बढ़ी है। लखनऊ केंद्र सालाना 1,000 से अधिक छात्रों, पेशेवरों और उद्यमियों को सेवा प्रदान करेगा। कंपनी के संस्थापक उयेस इनामदार ने कहा, ''ड्रोन कई उद्योगों में एक महत्वपूर्ण उत्पाद बन रहे हैं और प्रशिक्षित पायलटों की काफी मांग है। हमारे आरपीटीओ और अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों का लक्ष्य इस कौशल की कमी को कम करना और लोगों को

भविष्य के लिए तैयार करना है।''प्रशिक्षण केंद्र कृषि, तेल और गैस, जन केंद्रित सेवाओं और खनन सहित क्षेत्रीय उद्योगों का समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। ये क्षेत्र हमेशा कुशल ड्रोन परिचालकों की तलाश में रहते हैं, जो उनके संचालन को आधुनिक बनाते हैं और कारोबारी दक्षता में सुधार लाते हैं।

भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंध निदेशक ने मोबाइल मेडिकल यूनिट परियोजना को हरी झंडी दिखाई

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंध निदेशक, (सीबी एंड एस), श्री अश्विनी कुमार तिवारी के साथ श्री शरद एस. चांडक, मुख्य महाप्रबन्धक, एसबीआई, लखनऊ मण्डल, श्री संजय प्रकाश, एमडी और सीईओ, एसबीआई फाउंडेशन, और श्रीमती सोनाक्षी श्री, राष्ट्रीय प्रमुख सीएसआर, एवं श्री तेजबीर सिंह, ऑपरेशन, ग्रामीण विकास ट्रस्ट ने भारतीय स्टेट बैंक के स्थानीय प्रधान कार्यालय, लखनऊ में एक मोबाइल मेडिकल यूनिट परियोजना एसबीआई संजीवनी–क्लिनिक ऑन व्हील्स को हरी झंडी दिखाई, जो गैर सरकारी संगठन ग्रामीण विकास ट्रस्ट के साथ साझेदारी में उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले के भारवां ब्लॉक में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए है। कार्यक्रम में बोलते हुए श्री. अश्विनी कुमार तिवारी ने कहा कि, ष्हेल्थकेयर एसबीआई की दीर्घकालिक सीएसआर रणनीति के प्रमुख फोकस क्षेत्रों में से एक रहा है और हम मानते हैं कि हमारी मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से एसबीआई संजीवनी की पहल दूरदराज के क्षेत्रों में समुदायों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने में मदद करेगी।

यह पहल न केवल दरवाजे पर प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेगी, बल्कि विशेष अभियान और शिविरों के माध्यम से इन क्षेत्रों में जागरूकता पैदा करेगी और स्वच्छता प्रथाओं में सुधार करेगी। एसबीआई हमारे देश के सभी राज्यों में इस पहल को बढ़ाने की कल्पना करता है। इस अवसर पर ग्रामीण विकास ट्रस्ट की टीम के सदस्यों के साथ भारतीय स्टेट बैंक के महाप्रबंधक, उप महाप्रबंधक, अन्य अधिकारी उपस्थित थे। एमएमयू इकाई अत्याधुनिक नैदानिक सुविधाओं से लैस होगी और इसके साथ एक समर्पित मेडिकल टीम होगी जिसमें एक डॉक्टर, लैब तकनीशियन और फार्मासिस्ट शामिल होंगे। यह एमएमयू इकाई पूरे वर्ष सेवाएं प्रदान करेगी, जो ग्रामीण समुदायों को उनके दरवाजे पर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठाने में मदद करेगी, इस प्रकार दैनिक आजीविका गतिविधियों के लिए उनके मूल्यवान समय की बचत करेगी। नैदानिक सुविधाओं के साथ, यूनिट इन दूरदराज के गांवों में विशेष स्वास्थ्य और जागरूकता शिविर भी चलाएगी। परियोजना समर्थन के लिए स्थानीय स्वास्थ्य विभागों/मेडिकल कॉलेजों के साथ सहयोग का भी लाभ उठाती है। आज की तारीख तक ऐसी सुविधा 20 राज्यों और 2 संघ राज्य क्षेत्रों के लिए स्वीकृत की गई है।

यूपी में पोस्टर वॉर – निषाद पार्टी ने खुद को बताया 27 का खेवनहार

लखनऊ, संवाददाता। यूपी में उपचुनाव के लिए प्रत्याशियों की घोषणा होने के बाद राजनीतिक दलों में वार–पलटवार भी तेज हो गया है। समाजवादी पार्टी के 27 के सत्ताधीश अखिलेश पर पलटवार करते हुए निषाद पार्टी ने कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद को 27 का खेवनहार बताते हुए लखनऊ में पांच कालिदास मार्ग और भाजपा मुख्यालय के पास पोस्टर लगाए हैं। इससे सियासत गरमा गई है। इस पर निषाद पार्टी के प्रवक्ता और सचिव अजय सिंह का कहना है कि 2027 में निषाद पार्टी ही यूपी में एनडीए की खेवनहार बनेगी। वहीं, खुद संजय निषाद ने कहा है कि इस तरह के पोस्टर पार्टी के लोगों ने लगाए हैं।

शुक्रवार सुबह उपचुनाव को लेकर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के साथ की गई प्रेसवार्ता में डॉ. संजय निषाद ने कहा कि हमें एनडीए में सीट नहीं बल्कि जीत चाहिए। निषाद समाज को हक चाहिए। बसपा–सपा ने आरक्षण के मुद्दे को लटकाए रखा। हम देश और समाज के हित में सीटों की दावेदारी नहीं करते हैं। इसके पहले बुधवार को शहर में जगह–जगह लगाए गए सपा के पोस्टर पर अखिलेश यादव को 27 का सत्ताधीश बताया गया था।

पोस्टर पर लिखा हुआ था कि 24 में जनता का आशीष, दीवारों पर लिखा है, कौन होगा... सत्ताईश का सत्ताधीश। पोस्टर में दाहिनीं तरफ अखिलेश यादव की तस्वीर लगाई गई थी। बता दें कि उपचुनाव के लिए प्रत्याशियों के नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख 25 अक्तूबर है। मतदान 13 नवंबर को और परिणाम की घोषणा 23 नवंबर को होगी।

चक्रवात के असर से कई जिलों में हो सकती है बारिश

लखनऊ, संवाददाता। बंगाल की खाड़ी से ओडिशा के तटीय क्षेत्र में उठे दाना चक्रवात के असर से शुक्रवार को दक्षिण–पूर्व यूपी में शुक्रवार को हल्की बूंदाबांदी के आसार हैं। वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि चक्रवात से सोनभद्र, मिर्जापुर, गाजीपुर, मऊ, जौनपुर, आजमगढ़, बलिया, वाराणसी, प्रयागराज, चंदौली, चित्रकूट, कौशांबी, देवरिया, संत रविदास नगर जिलों में हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। उन्होंने बताया कि इस दौरान इन इलाकों में 20 से 30 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से पूर्वा हवा भी चलेगी। चक्रवात का असर आने वाले दो से तीन दिनों तक रह सकता है।

मौसम के बदले मिजाज से लोग हो रहे बीमार

खुशगवार कहे जाने वाले अक्तूबर के महीने में, लखनऊ में अप्रत्याशित रूप से मौसम का मिजाजा बिगड़ा हुआ है। कभी सर्द तो कभी गर्म मौसम के इस अजीब समीकरण ने लोगों को बीमार करना शुरू कर दिया है। वहीं राजधानी में बिगड़ी हुई हवा की सेहत भी लोगों पर सितम ढा रही है। बुधवार और गुरूवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के पैमाने पर लखनऊ के कुछ इलाकों के हवा की सेहत लोगों के स्वास्थ्य के लिहाज से बेहद खराब रही। घनी बसावट व औद्योगिक इलाके ताल कटोरा में बुधवार को एक्यूआई सर्वाधिक 236 और गुरूवार को 224 तो वहीं लालबाग में बुधवार को एक्यूआई 225 और गुरूवार को 198 दर्ज किया गया। हरे भरे और रिहायशी इलाके गोमतीनगर में बुधवार को एक्यूआई177 और गुरूवार को 158 दर्ज किया गया।

मौसम के उतार चढाव

इस विषय पर राजधानी के चिकित्सक डॉ शैलेश सिंह बताते हैं कि तापमान में उतार चढाव से शरीर की बीमारियों से लड़ने की शक्ति व प्रतिरोधक क्षमता प्रभावित होती है। बेहतर स्वास्थ्य के लिए हमारे शरीर हो आदर्श तापमान की जरूरत होती है। हमारे श्वसन तंत्र में पाई जाने वाली म्यूकोसा की सुरक्षा परत ठंडी हवा के प्रति संवेदनशील होती है। साथ ही वायरस सर्दियों में अधिक सक्रिय होते हैं। उन्होंने बताया कि ठंडी हवा, गर्म हवा की तुलना में घनी और भारी होती है। सर्दियों में हवा धरती की सतह के और करीब रहती है। प्रदूषक व अन्य जहरीले पदार्थ हवा की इस ठंडी सघनता की परत में फंस जाते हैं, जिससे संक्रमण तेजी से फैलता है।

कांग्रेस के चुनाव न लड़ने के गहरे हैं सियासी अर्थ

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश की 9 विधानसभा सीटों पर हो रहे उपचुनाव में सपा और कांग्रेस के बीच गठबंधन का दावा किया जा रहा है। लेकिन, असल में दिलों के मिलने पर संशय के बादल मंडराने लगे हैं। कांग्रेस के उपचुनाव नहीं लड़ने के फैसले से साफ है कि सपा से मिली दो सीटों से पार्टी संतुष्ट नहीं थी। दरअसल, कांग्रेस यूपी विधानसभा उपचुनाव में मझवां, फूलपुर, गाजियाबाद, खैर और मीरापुर सीट मांग रही थी। सपा ने गाजियाबाद और खैर सीट छोड़ी। कांग्रेस ने असंतुष्टि जताई। इस बीच सपा की ओर से कहा गया कि फूलपुर सीट भी दे सकते हैं, लेकिन बुधवार को यहां से सपा के मुज्तबा सिद्दीकी ने पर्चा दाखिल कर दिया। इसके बाद दिल्ली पहुंचे कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय और प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने शीर्ष नेतृत्व को पूरी स्थिति बताई। देर रात सपा ने सोशल मीडिया पर एलान किया कि पार्टी सभी नौ सीट पर चुनाव लड़ेगी। बृहस्पतिवार दोपहर बाद दिल्ली में कांग्रेस ने कहा कि भाजपा को हटाने के लिए सीट नहीं, जीत जरूरी है। सपा का प्रदेश नेतृत्व भले ही गठबंधन कायम होने की बात कह रहा है, लेकिन हालात कुछ और ही हैं। फूलपुर सीट से कांग्रेस के सुरेश यादव का पर्चा दाखिल करना इसका प्रमाण है। सपा की ओर से सीटें नहीं मिलने से कांग्रेस के प्रदेश स्तरीय नेता ही नहीं, बल्कि कई सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी करने वाले भी खफा हैं। लखनऊ समेत कई जगह पर संविधान बचाओ सम्मेलन करने वाले पूर्व जिला जज बीडी नकवी कहते हैं कि आपसी सामंजस्य बनाए रखने के लिए कांग्रेस को सीटें मिलनी चाहिए थीं। सामाजिक चेतना फाउंडेशन न्याय के सचिव महेंद्र मंडल कहते हैं कि कांग्रेस को सीटें नहीं देना सपा की हठधर्मिता है।

सीटें छोड़ने का 2027 में मिलेगा फायदा

जानकारों के मुताबिक, अब कांग्रेस नए सिरे से विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारी करेगी ताकि गठ बंधन की जरूरत पड़ने पर सपा से आमने–सामने बैठकर बात कर सके। ये सपा के लिए खतरे की घंटी हो सकता है।

इंडिया गठबंधन के भविष्य पर संकट

लोकसभा चुनाव में गठबंधन के साथ खड़े दल अब मैदान में हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी तीन उम्मीदवार उतार चुकी है। राष्ट्रीय जनवादी पार्टी, अपना दल कमेरावादी समेत कई दल अलग राह पर चल पड़े हैं। ऐसे में गठबंधन के भविष्य पर संशय है।

महाराष्ट्र फैक्टर का भी असर

कांग्रेस के यूपी में विधानसभा उपचुनाव से किनारा करने के पीछे महाराष्ट्र फैक्टर भी माना जा रहा है। महाराष्ट्र चुनाव को लेकर महा विकास अघाड़ी में सीट बंटवारे पर सहमति बन गई है। कांग्रेस, राकांपा और शिवसेना (ठाकरे) के बीच 85–85 सीट पर रजामंदी बनी है। वहीं, सपा समेत अन्य सहयोगी दलों को 18 सीटें देने की बात हुई है। यहां सपा 12 सीटें मांग रही है और पांच पर उम्मीदवार उतार चुकी है।

दीपावली व अन्य पर्वो के मद्देनजर 28 से 10 नवंबर तक रहेगी रोडवेज बसों की फेरो मे वृद्दि – आदित्य प्रकाश

(डाक्टर अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। दीपावली व अन्य पर्वो के दौरान बस से सफर करने वाले यात्रियो को किसी तरह की परेशानियो का सामना न करना पडे इसके लिये रोडवेज विभाग भी बसो के फेरो मे वृद्दि किया है।जो 28 अक्टूबर से प्रारंभ होकर 10 नवंबर तक लागू रहेगी।इस बात की जानकारी देते हुये सहायक प्रबंधक रोडवेज अयोध्या डिपो आदित्य प्रकाश ने बताया कि इस दौरान अधिकतर लोग बसों से सफर करना पसंद करते है। उन्होने बताया कि इस डिपो से कुल 123 रोडवेज बसो का संचालन होता है।जिसमे 12 वातानुकूलित बस व 27 अनुबंधित बसें भी शामिल है। उन्होने बताया कि इस दौरान 37 प्रतिशत फेरे बढाये जा रहे है। इस तरह से कुल बसो की संख्या लगभग 160 तक पहुंच जायेगी। जो इन दिनो मे विभिन्न मार्गो पर चलेगी। उन्होने बताया कि ऐसे कर्मी जो 13 दिन तक 3900 किमी तक ड्यूटी करते है उन्हे 5200 रुपये प्रोत्साहन भत्ता मिलेगा।

इसी तरह 12 दिन तक 3600 किमी तक ड्यूटी करने वाले कर्मियो को 4200 रुपये प्रोत्साहन भत्ता,इसके अलावा कार्यशाला मे इस दौरान उन कर्मियो को जो 13 दिन काम करेगे उन्हे 2100 रुपये प्रोत्साहन भत्ता तथा 12 दिन काम करने वाले कर्मियो को 1800 रुपये प्रोत्साहन भत्ता दिया जायेगा।

शाइन सिटी कंपनी की जैगुवार टीम का लीडर गिरफ्तार

लखनऊ, संवाददाता। जालसाज कंपनी शाइन सिटी की जैगुवार टीम के लीडर मो. अकरम को क्राइम ब्रांच व गोमतीनगर पुलिस की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपी की गिरफ्तारी पर 50 हजार का इनाम घोषित था। एसीपी गोमतीनगर विकास जायसवाल ने बताया कि शाइन सिटी इंफ्रा प्रोजेक्ट प्रालि. कंपनी ने सस्ते में प्लॉट देने, डिजिटल करेंसी व अन्य कई स्कीमों में निवेश के नाम पर हजारों लोगों से अरबों रुपये हड़पे हैं। कंपनी के खिलाफ लखनऊ समेत अन्य जिलों में 550 केस दर्ज हैं। कंपनी पर दर्ज मामलों की जांच ईओडब्ल्यू को शासन के आदेश पर ट्रांसफर की गई थी। कंपनी से जुड़े 62 से अधिक अधिकारियों व कर्मचारियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। एसीपी के अनुसार, अमेठी कमरौली नियांवा निवासी मो. अकरम के खिलाफ गोमतीनगर थाने में वर्ष 2020 और 2021 में धोखाधड़ी के तीन मामले दर्ज हुए थे। बृहस्पतिवार को संयुक्त टीम ने आरोपी को फन मॉल के पास से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने कंपनी से जुड़े कई अन्य लोगों के नाम भी बताए हैं।

दुबई में है कंपनी का सीएमडी राशिद नसीम

शाइन सिटी कंपनी का सीएमडी राशिद नसीम अभी भी गिरफ्त से बाहर है। उसकी गिरफ्तारी पर पांच लाख का इनाम भी घोषित है। ऐसा बताया जाता है कि वह दुबई में है और वहीं से अपना नेटवर्क चला रहा है।

भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड (बीईएल) में आत्मा देव सिंह को उप महाप्रबंधक के पद पर स्थायी पदोन्नति

(डाक्टर अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। जिले के थाना महाराजगंज के पूरा बाजार निवासी आत्मा देव सिंह ने अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण से जिले का मान बढ़ाया है। भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत प्रतिष्ठित उद्यम भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) ने आत्मा देव सिंह को उप महाप्रबंधक के पद पर स्थायी रूप से पदोन्नति दी है।यह पदोन्नति आदेश संख्या ई/ई–213662 के अंतर्गत की गई है, जो उनके अभूतपूर्व कौशल और प्रतिबद्धता की साक्षी है। इस नई जिम्मेदारी के साथ आत्मा देव सिंह अब स्थायी रूप से उप महाप्रबंधक के पद पर बीईएल से जुड़े रहेंगे।बीईएल ने उनके समर्पण को सराहते हुए कहा है कि आत्मा देव सिंह का अनुकरणीय प्रदर्शन और कौशल कंपनी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में सहायक होगा। कंपनी ने सभी कर्मचारियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे भी इसी तरह देश की सुरक्षा और स्वच्छता में अपना अमूल्य योगदान दें।बीईएल का यह निर्णय आत्मा देव सिंह के प्रति आभार और उनके अद्वितीय योगदान की सराहना का प्रतीक है।उनके इस महत्वपूर्ण पद पर चयन ने पूरा बाजार अयोध्या सहित पूरे जिले को गौरवान्वित किया है।बीईएल ने आशा जताई है कि आत्मा देव सिंह इस पद पर रहते हुए कंपनी के उद्देश्यों को और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाने में सहायक सिद्ध होंगे।

नौकरी के बहाने युवती से दुष्कर्म की कोशिश

लखनऊ, संवाददाता। मड़ियांव निवासी युवती ने युवक पर दफ्तर में उनसे दुष्कर्म की कोशिश का आरोप लगाते हुए चिनहट थाने में केस दर्ज कराया है। पीड़िता के मुताबिक कुछ दिन पहले उनकी मुलाकात अशोक सिंह से हुई थी। उसने नौकरी दिलाने का झांसा दिया था। इस सिलसिले में वह 23 अक्तूबर को उन्हें अपने दफ्तर ले गया था। बातचीत के दौरान उसने कोल्ड ड्रिंक में शराब मिलाकर पीने के लिए दी। संदेह होने पर पीड़िता ने मना कर दिया तो आरोपी ने दुष्कर्म का प्रयास किया। चीखने पर आरोपी ने उन्हें पीटा और सुनसान जगह ले जाकर छोड़कर भाग निकला। इंस्पेक्टर अश्विनी चतुर्वेदी के मुताबिक मामले की जांच की जा रही है।

मिल्कीपुर उपचुनाव– हाईकोर्ट ने निर्वाचन आयोग से मांगा जवाब

लखनऊ, संवाददाता। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने अयोध्या के मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव मामले में दाखिल जनहित याचिका पर चुनाव आयोग से जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 12 नवंबर को होगी। मिल्कीपुर के प्रभुनाथ तिवारी की याचिका पर न्यायमूर्ति एआर मसूदी और सुभाष विद्यार्थी की खंडपीठ ने ये आदेश दिया। तिवारी ने याचिका में उपचुनाव समय से कराने की मांग की है। कोर्ट ने चुनाव आयोग के अधिवक्ता को आदेश दिया कि इस संबंध में आयोग से निर्देश प्राप्त कर अगली सुनवाई पर जवाब दें। बता दें कि कि भाजपा नेता गोरखनाथ की ओर से दाखिल एक निर्वाचन याचिका के लंबित होने के कारण चुनाव आयोग ने मिल्कीपुर के उपचुनाव की तारीख घोषित नहीं की। गोरखनाथ ने सपा के अवधेश प्रसाद के विधानसभा चुनाव 2022 में विधायक चुने के खिलाफ दाखिल याचिका वापस लिए जाने का प्रार्थना पत्र दाखिल किया। लेकिन, तय प्रक्रिया नहीं अपनाए जाने के कारण प्रार्थना पत्र पर सुनवाई टल गई।

कांग्रेस नहीं उतारेगी अपने प्रत्याशी

कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह उत्तर प्रदेश में नौ विधानसभा उपचुनावों में अपने उम्मीदवार नहीं उतारेगी और इंडिया गंठबंधन के उम्मीदवारों का समर्थन करेगी। कांग्रेस ने कहा कि मौजूदा राजनीतिक स्थिति में पार्टी हितों के ऊपर संविधान की रक्षा को प्राथमिकता देते हुए यह निर्णय लिया गया। कांग्रेस के उत्तर प्रदेश प्रमुख अजय राय के साथ यहां पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राज्य प्रभारी महासचिव अविनाश पांडे ने कहा कि पार्टी नेतृत्व के साथ विचार–विमर्श करने के बाद समाज, प्रदेश और देश के हित में यह कदम उठाया गया। पांडे ने कहा, मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और केसी वेणुगोपाल के साथ गहन चर्चा की गई। आज जिस तरह से सामाजिक तनाव बढ़ रहा है और जिस उद्देश्य से 'इंडिया' गठबंधन का गठन किया गया था, उसे देखते हुए आज अपने संगठन और पार्टी को बचाने का समय नहीं है, बल्कि संविधान बचाने, सामाजिक सौहार्द और भाईचारा बचाना जरूरी है। उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश में कांग्रेस इंडिया गठबंधन यानी सपा के सभी उम्मीदवारों को जिताने के लिए पूरा समर्थन करेगी। पांडे ने दावा किया कि अगर आज भाजपा को नहीं रोका गया तो संविधान, सौहार्द और भाईचारा खतरे में पड़ जाएगा। पांडे ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया है कि इन चुनावों में भाजपा को कड़ी शिकस्त देनी है, ताकि आने वाले 2027 के विधानसभा चुनाव में सकारात्मक प्रभाव पड़े। राज्य की नौ सीटों पर उपचुनाव के लिए मतदान 13 नवंबर को होना हैं। मतों की गिनती 23 नवंबर को होगी।

कांग्रेस ने नहीं किया समर्पण

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 'इंडिया' गठबंधन एकजुट है और उत्तर प्रदेश की स्थिति को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। राय ने इस धारणा को खारिज कर दिया कि कांग्रेस ने किसी तरह का समर्पण किया है। उनका कहना था कि परिस्थिति को देखते हुए फैसला हुआ है जो प्रदेश के हित में है। राय ने इस अटकल को भी गलत बताया कि सपा ने फूलपुर सीट कांग्रेस को देने की पेशकश की थी।

पिहानी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को मिला एनक्यूएस प्रमाण पत्र

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) जिले के स्वास्थ्य केंद्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ाई जा रहीं हैं। ऐसे में अब पिहानी सीएचसी प्रदेश स्तर पर छा गई है। प्रदेश में पिहानी सीएचसी को एनक्यूएस प्रमाण पत्र, जिलाधिकारी एमपी सिंह, मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरुरानी व मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ रोहताश कुमार ने पिहानी सीएचसी प्रभारी डॉक्टर जितेंद्र श्रीवास्तव को शनिवार को दिया है। पिहानी दूसरी सीएचसी है, जिसे एनक्यूएएस प्रमाण पत्र दिया गया है। संडीला को यह प्रमाण पत्र 2 साल पहले मिल चुका है। अब इस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर किया जाएगा। केंद्र सरकार की ओर से स्वास्थ्य केंद्रों को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्यूएएस) प्रमाण पत्र दिया जाता है। यह प्रमाण पत्र उन्हें ही दिया जाता है, जिनमें मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं दी जाती हैं। पिहानी सीएचसी को भी एनक्यूएएस प्रमाण पत्र देने के लिए आवेदन किया गया था। जिसका केंद्र की टीम ने 24 से 25 सितंबर 2023 तक निरीक्षण किया था। उसका अब परिणाम जारी कर दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने 8 विभागों की व्यवस्थाएं बेहतर दिखाकर निरीक्षण कराया था। केंद्र की टीम ने 8 विभागों की रेटिंग भी जारी की है। निरीक्षण में पिहानी सीएचसी की इमरजेंसी, ओपीडी, आईपीडी, लैब, , फार्मेसी, सहायक सेवाएं, सामान्य प्रशासन, बीएसयू, एनबीएसयू विभागों के 78.87 प्रतिशत अंक दिए गए हैं। जबकि प्रसव कक्ष के 85 प्रतिशत और मातृत्व ओटी के निरीक्षण में 80 प्रतिशत अंक दिए गए हैं। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ रोहताश कुमार ने बताया कि पिहानी सीएचसी जिले की दूसरी सीएचसी है, जिसे एनक्यूएस प्रमाण पत्र मिला है। स्वास्थ्य केंद्रों पर सुविधाएं बढ़ाई जा रहीं हैं। इस सीएचसी पर प्रसव, मरीजों को भर्ती करने की व्यवस्था ठीक की जा रही है। अन्य सीएचसी को भी एनक्यूएएस प्रमाण पत्र के लिए बेहतर किया जा रहा है।

स्मार्ट सिटी के कार्य गुणवत्ता संग पूरा करें – मंडलायुक्त

लखनऊ, संवाददाता। मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब ने बृहस्पतिवार को स्मार्ट सिटी के तहत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा, कार्यों में देरी न हो। गुणवत्ता में कोई कमी रहे। मंडलायुक्त ने कहा, जो नोडल अफसर हैं वह कार्यों की रोज मॉनिटरिंग करें। अफसरों ने बताया कि केडी सिंह बाबू स्टेडियम में चल रहे 10 सिविल कार्यों में से आठ पूरे हो गए हैं। बाकी दो भी लगभग 90 फीसदी तक हो गए हैं। दित्यांग पार्क का काम 25 फीसदी हो चुका है। अमीरुद्दौला पब्लिक लाइब्रेरी के सुंदरीकरण व डिजिटलाइ जेशन काम लगभग पूरा हो चुका है। भातखंडे संगीत विवि का काम 95 फीसदी तक हो चुका है। मंडलायुक्त ने कहा, जिन प्रोजेक्ट में कार्य धीमा है, उसे तेज करें। लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। बैठक में नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह, अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव समेत अन्य अफसर मौजूद रहे।

नगर निगम की टीम ने चौक में हटाया अतिक्रमण

लखनऊ, संवाददाता। नगर निगम जोन छह के अतिक्रमण विरोधी दस्ते ने बृहस्पतिवार को कोनेश्वर चौराहे से लेकर चौक चौराहे तक अतिक्रमण हटाया। फूल मंडी, फ्लाई ओवर के नीचे से भी कब्जे हटाकर सामग्री जब्त की गई। जोनल अधिकारी मनोज यादव ने बताया कि कार्रवाई के बाद क्षेत्रीय पार्षद अनुराग मिश्रा, व्यापारी प्रतिनिधि दल के सदस्य, पटरी दुकानदार की ओर से संयुक्त ज्ञापन सौंपकर दीपावली को देखते हुए दुकानदारों को पटरी पर दुकानें लगाने की अनुमति देने की मांग रखी गई। आश्वस्त किया गया कि रामलीला जुलूस, रावण दहन जुलुश, गंगा दशहरा के जुलूस मार्ग पर किसी प्रकार का अवरोध नहीं पैदा किया जाएगा।

वलियों की दरगाहें अमन मोहब्बत का पैगाम देती हैं – नूरुल हसन शाह

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) हिन्दुतान के महान सूफी सन्त हजरत ख्वाजा सय्यद निजामुद्दीन औलिया महबूबे इलाही देहलवी रह0 के 721 वें उर्स मुबारक के अवसर पर शनिवार को नगर के मोहल्ला मंगल बाजार में स्थित खानकाहे सागरया चिश्तिया निजामिया में अजमते औलिया कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया।जिसमें कस्बा की दरगाहों के सज्जादा नाशीनो ने शिरकत की।कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षता करते हुए खानकाहे रजा के सज्जादा नशीन पीर नूरुल हसन शाह चिश्ती साबरी ने कहा ये वलियों की दरगाहें अमन मोहब्बत का पैगाम देती हैं औलियाए कराम की शिक्षा तमाम लोगो के लिए सही रास्ता दिखाने वाली शिक्षा है। नायब शहर काजी हकीम सय्यद असद मियां ने कहा औलिया अम्बिया के वारिस हैं।

कुरआन में अल्लाह ने वलियों को अपना दोस्त कहा है।क्योंकि उन्होने अपने अमल से अल्लाह को राजी किया।खानकाहे मतलूबिया महेतवाना के नायब सज्जादानशीन नूरूल हक सफवी चिश्ती ने कहा औलियाए कराम की तालीम और पैगामें इंसानियत ने हिन्दुस्तान के अवाम पर एक खास असर छोड़ा है।इसके अलावा दरगाह हजरत सागर मियां के सज्जादानशीन मुईज उद्दीन सागरी चिश्ती निजामी ,दरगाह दादा मियां के सज्जादानशीन इस्हाक अली बाबा खान साबरी,दरगाह मीरा साहब के शफी अहमद साबरी, खनकाह हफीजया के मुन्ना साबरी,खानकाह साबरया फरहान साबरी ने कॉन्फ्रेंस को सम्बोधित किया।चौधरी नदीम सागरी,हाफिज फरहानुल हक,हाफिज शाह आलम ने अपना कलाम पढ़ा। संचालन सूफी इकबाल ने किया आखिर में हजरत महबूबे इलाही नजर ख्वानी के बाद देश में अमन व शान्ति की दुआ के साथ कॉन्फ्रेंस का समापन हुआ।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।